आश्विन, पक्ष-शुक्ल, तिथि - चतुर्थी , संवत 2083 पृष्ठ : 8 जयपुर, 14 अक्टूबर - 20 अक्टूबर 2026 बुधवार वर्ष-12, अंक-33, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत
R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758

जागरूक जनता

कात्यायनी
मेधे सरस्वति वरे भूति
बाभ्रवि तामसि।
चामुण्डे मुण्डमथने,
नारायणि नमोस्तुते।।

शारदीय नवरात्र एवं दशहरा पर्व की शुभकामनाएँ

या देवी सर्वभूतेषु माँ कात्यायनी रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥

कात्यायनि महामाये
महायोगिन्यधीश्वरि।
नंद गोप सुतं देवि पतिं
में कुरुते नमः

नवरात्रि है आत्मबोध का पुण्य काल

सटीक

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

सनातन धर्म में हर दिन, हर घड़ी किसी ना किसी आध्यमिकता से ओतप्रोत है। इनमें से एक है नवरात्रि। आत्मिक ऊर्जा और बोध का पर्व। स्वजागरण और आत्म बोध का काल है नवरात्रि, जो प्राचीन काल में अहोरात्रि के नाम से प्रख्यात थी। यह स्वयं से और अपनी ऊर्जा से रूबरू होने की घड़ी है। जंबूद्वीप के भारत खंड में अश्विन माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नवमी तक का काल नवरात्रि के रूपमें मनाए जाने की परंपरा के सूत्र प्रागैतिहासिक काल से प्राप्त होते हैं। दो ऋतुओं के संधिकाल का यह नौ दिनों का बेहद लंबा पर्व स्वयं में बेहद विलक्षण और अदभुत है।

इस पर्व को देवी 'अम्बा' का पर्व कहा गया है। अंबा शब्द 'अम्म' और 'बा' के युग्म से बना है। कुछ द्रविड़ भाषाओं में अम्म का अर्थ जल और बा का मतलब अग्नि से है। लिहाज़ा अंबा का शाब्दिक अर्थ बनता है, जल से उत्पन्न होने वाली अग्नि अर्थात् विद्युत। इसलिए कहीं कहीं नवरात्रि को विद्युत की रात्रि यानि शक्ति की रात्रि भी कहा जाता है। यह पर्व नितांत वैज्ञानिक अवधारणों पर विकसित है। आध्यात्मिक दृष्टिकोण इसे शक्ति विस्तार के लिए विपरीत परिस्थितियों से सामना करने से जोड़ कर देखता है। संघर्ष का अर्थ बाह्य युद्ध नहीं है, ना ही शक्ति प्राप्ति का अर्थ किसी देवी के खाते से शक्ति का स्थानांतरण है। यहां शक्ति से आशय स्वयं की महाऊर्जा से है, अंतर्मन की महाऊर्जा से है। नवरात्रि का दिव्य पर्व शक्ति को किसी पंडाल में स्थापित करने से ज़्यादा बाहर बिखरी हुई अपनी ही ऊर्जा को खुद में समेटने की बेला है। इसकी त्रिरात्रि स्वपरिचय और ज्ञान बोध की, तीन रात शक्ति संकलन और संचरण यानी फैलाव की और त्रिनिशा अर्थ प्राप्ति की कही गयी हैं। ये नौ दिन किसी तलवार को नहीं, स्वयं को धार प्रदान करने की अदभुत बेला है। वैज्ञानिक चिंतन कहता है कि हम बाह्य मस्तिष्क का सिर्फ़ कुछ प्रतिशत ही इस्तेमाल कर पाते हैं। हमारे बाह्य मस्तिष्क यानी चेतन मस्तिष्क से हमारा अचेतन मस्तिष्क नौगुणा ज़्यादा क्षमतावान है। इसलिए समस्त आध्यात्मिक साधनायें स्वयं में जाने की ही अनुशंसा करती है। आध्यात्म में नवरात्रि का पर्व अपने उसी नौ गुनी क्षमता के पुनर्परिचय का काल है। नवरात्रि की प्रत्येक रात्रि हमारी स्वयं की सुप्त आंतरिक क्षमताओं और ऊर्जाओं के भिन्न भिन्न पहलुओं को उद्घाटित करती है, जिसे मान्यताएं नौ प्रकार की शक्तियों या देवियों की संज्ञा देती है। शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्माण्डा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी, सिद्धिदात्री, ये दरअसल किसी अन्य लोक में रहने वाली देवी से पहले हमारी अपनी ही ऊर्जा के नौ विलक्षण स्वरूप हैं।

shivdayalmishra@gmail.com

दूसरों की कीमत पर नहीं, सबको साथ लेकर आगे बढ़ता है भारतः मोदी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

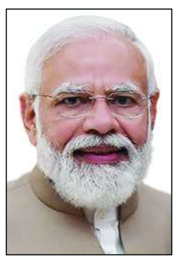

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को "पावर टू एम्पावर" को विकास के प्रति देश का मुख्य सिद्धांत बताते हुए कहा कि भारत दूसरों की कीमत पर नहीं सबको साथ लेकर आगे बढ़ने में यकीन करता है। मोदी ने यहां 'ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम' को संबोधित करते हुए कहा कि "पावर टू एम्पावर" का मतलब उस शक्ति से है जो न सिर्फ अपने लिए हो, बल्कि जो अपने साथ दूसरों को भी सशक्त बनाती हो। उन्होंने कहा कि खनिज, भुगतान प्रणाली और प्रौद्योगिकी जैसी जिन चीजों ने कभी दुनिया को जोड़ा था, आज उन्हीं का इस्तेमाल हथियार की तरह किया जा रहा है, दबाव और दबदबे के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी सबको साथ लेकर चलने की है। चाहे कोरोना के समय टीके की जरूरत हो या डिजिटल भुगतान के मजबूत मॉडल की या फिर प्रतिभाओं की, जरूरत के समय दुनिया ने भारत पर भरोसा दिखाया है।

उन्होंने कहा, "जब भी दुनिया को एक स्थिर स्तंभ की जरूरत होती है, भारत अपना दायित्व समझते हुए हाथ बढ़ाता है। हम दूसरों की कीमत पर आगे नहीं बढ़ते, हम दुनिया के लिए आगे बढ़ते हैं।" प्रधानमंत्री ने कहा कि आज दुनिया के सामने बड़ा सवाल भरोसे का है - आपूर्ति श्रृंखला जारी रहेगी या नहीं, साझेदार देश साथ खड़ा रहेगा या नहीं - और यहीं पर भारत एक नए मिजाज के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि दुनिया में पहले भी कई वैश्विक साझेदारियां बनाई गई जिनका उद्देश्य अपने-अपने हित साधना था। वहीं, भारत ने इंटरनेशनल सोलर अलायंस, बिग कैट अलायंस और कोएलिशन फॉर डिजास्टर रिजिलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे मंच दिए हैं जिसमें सबको साथ लेकर चलने की कोशिश की गई है। उन्होंने कहा, "भारत जोड़ने पर और जुड़ने पर बल देता है।" मोदी ने कहा कि इसके बावजूद भारत जो करता है उसका क्रेडिट कभी नहीं चाहता। संभवतः पहली बार किसी प्रधानमंत्री की तरफ से "शून्य" के लिए रॉयल्टी के उल्लेख की नजीर बनाते हुए उन्होंने कहा, "भारत जो करता है उसका क्रेडिट कभी नहीं चाहता। भारत ने "शून्य" दिया लेकिन कभी उसके लिए रॉयल्टी नहीं मांगता।"

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट

» मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
» सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
» असाध्य घाव/शुगर के घाव
» कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
» अचानक बहरापन (Hearing Loss)
» डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.

नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर

Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur

E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

Jaipur Metro : मुख्य सचिव ने गलता गेट पर किया भूमिगत सुरंग निर्माण का शुभारंभ

बड़ी चौपड़ से ट्रांसपोर्ट नगर तक 1,511 करोड़ की लागत से बनेगा 3.80 किलोमीटर लंबा मेट्रो मार्ग

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने जयपुर मेट्रो के विस्तार कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने तथा निर्माण के दौरान श्रमिकों और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यकारी एजेंसियों को श्रमिकों की सुरक्षा सर्वोपरि रखते हुए यातायात प्रबंधन और धूल नियंत्रण संबंधी निर्धारित मानकों की पालना सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण पर विशेष ध्यान देने तथा आसपास की ऐतिहासिक इमारतों की निगरानी रिपोर्ट की नियमित समीक्षा करने के भी निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने गलता गेट पर सुरंग निर्माण मशीन 'प्रताप' (टीबीएम) का संचालन शुरू कर जयपुर मेट्रो के चरण-1सी के तहत भूमिगत सुरंग निर्माण का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि जयपुर मेट्रो मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की महत्वाकांक्षी परियोजना है और चरण-1सी के तहत सुरंग निर्माण की शुरुआत इसके विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होने जयपुर मेट्रो के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक वैभव गालरिया तथा उनकी पूरी टीम की सराहना की। चरण-1सी के तहत करीब 1,511 करोड़ रुपए की लागत से बड़ी चौपड़ से गलता गेट होते हुए ट्रांसपोर्ट नगर तक 3.80 किलोमीटर लंबा मेट्रो मार्ग विकसित किया जाएगा। इसमें लगभग 3 किमी भूमिगत मेट्रो मार्ग और 0.80 किमी लंबा एलिवेटेड मेट्रो मार्ग शामिल है। गलता गेट पर भूमिगत स्टेशन बनाया जाएगा। जयपुर मेट्रो अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक वैभव गालरिया ने बताया कि गलता गेट से सुरंग निर्माण शुरू करने वाली मशीन को जून-जुलाई 2027 तक बड़ी चौपड़ पहुंचाने का लक्ष्य है। इसके बाद नई सुरंग को मौजूदा चरण-1बी से जोड़ा जाएगा। परियोजना पूरी करने का लक्ष्य जुलाई 2028 है। उन्होंने बताया कि चरण-1डी के तहत मानसरोवर से अजमेर रोड चौराहे तक करीब 1.35 किमी लंबा एलिवेटेड मेट्रो मार्ग और एक स्टेशन बनाया जा रहा है। इस खंड का कार्य जून 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य है। चरण-1सी और चरण-1डी के पूरा होने पर ट्रांसपोर्ट नगर से अजमेर रोड चौराहे तक मेट्रो संपर्क उपलब्ध होगा और शहर के पूर्वी तथा पश्चिमी हिस्सों के बीच सार्वजनिक परिवहन की सुविधा बढ़ेगी। गालरिया ने बताया कि वैशाली नगर, जगतपुरा, अजमेर रोड जैसे विकसित हो रहे क्षेत्रों को मेट्रो नेटवर्क से जोड़ने के लिए परियोजना रिपोर्ट भी तैयार करवाई जा रही है।

हाथोज धाम महाराज ने सालासर बालाजी के लगाई ढोक

जयपुर/सीकर @ जागरूक जनता। हाथोज धाम महाराज, हवामहल विधायक श्री बालमुकुंद आचार्य जी महाराज ने बीते दिनों पावन सालासर धाम में श्री सालासर बालाजी महाराज के दिव्य दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की एवं बालाजी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस पावन अवसर पर महाराज जी ने बालाजी महाराज के श्रीचरणों में समस्त प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य, खुशहाली एवं मंगलमय जीवन की प्रार्थना की।

Khasa Kothi Flyover : 25 करोड़ के खासा कोठी फ्लाईओवर की कहानी

गलत दिशाः फ्लाईओवर खाली, नीचे रेंगते वाहन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सुविधा के लिए बना निर्माण यदि बेतुका हो तो शहर के लिए नासूर बन जाता है। खासा कोठी फ्लाईओवर इसका जीता जागता नमूना है। यातायात को सुगम बनाने के लिए करीब 25 करोड़ रुपए खर्च कर बनाया गया यह फ्लाईओवर किसी काम का नहीं। जिम्मेदारों की इंजीनियरिंग देखिए, जिस रूट पर (एमआइ रोड से कलक्ट्रेट) रोजाना । लाख से ज्यादा वाहन जाम में फंसते हैं, वहां फ्लाइओवर का नामोनिशान नहीं है और जिस दिशा में फ्लाईओवर बना दिया गया, वहां दिन भर में महज 5 से 8 हजार वाहन ही गुजरते हैं। हालात ये है कि इस फ्लाईओवर पर अब गाड़ियां नहीं, अवैध पार्किंग होती है। क्या जनता के टैक्स का पैसा इसी तमाशे के लिए था?

वर्ष 2002 की साजिश, जिसने शहर का गला घोंटा

साल 2002 में सब कुछ तय था। अलाइनमेंट एमआइ रोड से बनीपार्क की ओर प्रस्तावित था, लेकिन 2005-06 में अचानक अदृश्य ताकतों ने अलाइनमेंट बदलवा दिया। कार्यादिश में कुछ और, हकीकत में कुछ और U... अपनों को फायदा पहुंचाने और चहेतों को बचाने के लिए पूरे शहर को जाम के दलदल में धकेल दिया गया। 16 साल पहले बोए भ्रष्टाचार का यह पौधा अब शहर के लिए नासूर बन चुका है।

170 करोड़ का बीआरटीएस कॉरिडोर भी हटाना पड़ा था

जयपुर में यातायात की जरूरतों के अनुरूप योजना नहीं बनाने का एक और उदाहरण बीआरटीएस कॉरिडोर रहा है। पिछले वर्ष जेडीए ने करीब 170 करोड़ रुपए की लागत से बने इस कॉरिडोर को हटाया। जेडीए ने करीब 30 करोड़ रुपए खर्च कर न्यू सांगानेर रोड, अजमेर रोड और सीकर रोड से बीआरटीएस कॉरिडोर हटाया। ऐसे में सवाल उठता है कि जब बीआरटीएस जैसी बड़ी परियोजना को हटाने का फैसला लिया जा सकता है, तो खासा कोठी फ्लाईओवर के मामले में अब तक ठोस निर्णय क्यों नहीं हुआ?

जनता की आवाज

वाहनों की अंतहीन कतारें खासा कोठी पुलिया महज इंजीनियरिंग की चूक नहीं, फैसले की ऐसी नाकामी है, जिसकी सजा जयपुर भुगत रहा है। ऐसे निर्माण विकास नहीं, भ्रष्टाचार और गलत फैसलों के स्मारक हैं। कलक्ट्रेट रोड पर वाहनों की अंतहीन कतारें प्रशासनिक विफलता का सबूत हैं। अलाइनमेंट किसके इशारे पर बदला, किसे फायदा पहुंचा और जनता के पैसे की बर्बादी का हिसाब कौन देगा? इन सवालों के साथ इस बेतुके निर्माण से त्रस्त जनता की आवाज अभियान के रूप में जागरूक जनता सरकार तक पहुंचाएगा।

अब बहाने नहीं, फैसले का समय

खासा कोठी फ्लाईओवर की उपयोगिता और आसपास के यातायात दबाव को देखते हुए अब पूरे क्षेत्र का स्वतंत्र और विस्तृत यातायात अध्ययन कराया जाना चाहिए। जयपुर विकास प्राधिकरण को एमआइ रोड, बनीपार्क, खासा कोठी, स्टेशन रोड, पोलोविक्ट्री और कलेक्ट्रेट की ओर आने-जाने वाले वाहनों की वास्तविक संख्या का आकलन करना चाहिए। इसके साथ ही वाहनों की दिशा, जाम की अवधि और यातायात में बाधा बनने वाले प्रमुख स्थानों की भी जांच होनी चाहिए। वर्ष 2002 में प्रस्तावित मूल अलाइनमेंट और बाद में अपनाए गए अलाइनमेंट की तुलनात्मक समीक्षा भी सार्वजनिक की जानी चाहिए।

आप क्या सोचते हैं?

आप खासा कोठी के इस उल्टे फ्लाईओवर और रोज-रोज के जाम से परेशान हैं? क्या इस ढांचे को तोड़कर सही रूट पर नया फ्लाईओवर बनाना चाहिए? क्या आप खासा कोठी पुलिया के आस-पास से गुजरते हैं। तब आपके दिमाग में क्या आता है? हमें 9829329070 पर वाट्सऐप कर संक्षिप्त में जवाब भेजें।

संविदा सफाई कर्मचारी भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन 28 तक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। स्वायत्त शासन विभाग द्वारा संविदा सफाई कर्मचारी भर्ती के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को राहत प्रदान करते हुए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 28 अक्टूबर 2026 तक बढ़ा दी गई है। शासन सचिव रवि जैन ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। राज्य की 183 नगरीय निकायों में राजस्थान कॉन्ट्रैक्चुअल हायरिंग टू सिविल पोस्ट्स रूल्स, 2022 एवं यथा संशोधित नियमों के अंतर्गत 24,752 रिक्त पदों पर संविदा सफाई कर्मचारी भर्ती के लिए विज्ञापन संख्या 01/2026 दिनांक 27 जुलाई 2026 को जारी किया गया था। इसके तहत अभ्यर्थियों से 15 अगस्त से 28 सितंबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए थे। विभाग द्वारा जारी संशोधित आदेश के अनुसार, पूर्व में 13 अक्टूबर 2026 तक बढ़ाई गई आवेदन की अंतिम तिथि को अब बढ़ाकर 28 अक्टूबर 2026 कर दिया गया है। इससे भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने के इच्छुक अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन करने के लिए अतिरिक्त समय मिल सकेगा।

सही खान-पान, स्वस्थ राजस्थान' अभियानः 16 स्थानों पर की गई कार्रवाई, खाद्य पदार्थों के 12 नमूने लिए

जयपुर में शिक्षण संस्थानों, हॉस्टल मेस और खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण, 13 नोटिस जारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में प्रदेशवासियों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग द्वारा 'सही खान-पान, स्वस्थ राजस्थान' अभियान चलाया जा रहा है। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्रीमती गायत्री राठौड़ एवं खाद्य सुरक्षा आयुक्त श्री अविचल चतुर्वेदी के निर्देशन में जयपुर में केंद्रीय दल ने विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों, हॉस्टल मेस और खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। दो दिवसीय अभियान के दौरान कुल 16 निरीक्षण एवं प्रवर्तन कार्वाइयां की गईं। इस दौरान खाद्य सुरक्षा नियमों की पालना सुनिश्चित करने के लिए 13 इम्प्रूवमेंट नोटिस जारी किए गए तथा खाद्य पदार्थों के 12 नमूने लिए गए।

केंद्रीय दल ने एमजीपीएस विद्याधर नगर, धारव पब्लिक स्कूल, एमजेआरपी कॉलेज, फ्लिपकार्ट डार्क स्टोर विद्याधर नगर, गोपाल सिंह पताशी भंडार, एसएमएस स्कूल, एमपीएस इंटरनेशनल स्कूल तिलक नगर, माहेश्वरी पब्लिक स्कूल तिलक नगर, आईआईएस यूनिवर्सिटी, जयश्री पेरिवाल स्कूल, आराधना गर्ल्स हॉस्टल मेस, सोनवाड़ी गोपालपुरा, दोसाका रेस्टोरेंट सी-स्कीम, नथिंग बिफोर कॉफी सी-स्कीम और जीव फूड्स (वीरजी), सी-स्कीम सहित विभिन्न खाद्य कारोबार स्थलों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान सी-स्कीम स्थित जीव फूड्स (वीरजी) पर विशेष कार्रवाई की गई। असुरक्षित खाद्य पदार्थों की बिक्री के मामले में इस प्रतिष्ठान का खाद्य लाइसेंस 2 अक्टूबर 2026 को निलंबित किया गया था। इसके बावजूद निरीक्षण के समय प्रतिष्ठान खुला मिला। केंद्रीय दल ने मौके पर आवश्यक कार्रवाई करते हुए प्रतिष्ठान को बंद करवाया।

Viksit Bharat-2047 : भविष्य की नींव मजबूत कर रही पीएम-सेतु योजना : भिवाड़ी हब-स्पोक क्लस्टर के लिए 241 करोड़ की मंजूरी

आईटीआई की बदलेगी तस्वीर, संवरेगी युवाओं की तकदीर

शेयर होल्डर एग्रीमेंट साइन करने वाला पहला राज्य बना राजस्थान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए देश के भविष्य की नींव यानी युवाओं को हुनरमंद, आत्मनिर्भर और रोजगार योग्य बनाना आवश्यक है। इसी लक्ष्य को लेकर कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय द्वारा पीएम-सेतु (प्रधानमंत्री स्किलिंग एंड एम्प्लॉयबिलिटी ट्रांसफॉर्मेशन थ्रू अपग्रेडेड आईटीआई) योजना के तहत औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों का कायाकल्प शुरू हो गया है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विशेष प्रयासों के चलते राष्ट्रीय संचालन समिति ने राजस्थान में भिवाड़ी क्लस्टर के लिए 241 करोड़ रुपये की

रणनीतिक निवेश योजना को मंजूरी प्रदान की है। इसके उपरांत केंद्र सरकार, राज्य सरकार एवं एंकर इंडस्ट्री पार्टनर के मध्य शेयर होल्डर एग्रीमेंट साइन किया गया और राजस्थान शेयर होल्डर एग्रीमेंट साइन करने वाला पहला राज्य बना।

11 अन्य क्लस्टर्स के लिए एंकर इंडस्ट्री पार्टनर प्रस्ताव

प्रदेश में प्रस्तावित कुल 12 हब-स्पोक क्लस्टर्स से राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों को आधुनिक तकनीक, उन्नत प्रशिक्षण सुविधाओं और उद्योगों से सीधे जोड़ने की दिशा में काम किया जाएगा। हर क्लस्टर की लागत में लगभग 50 प्रतिशत केन्द्र, 33 प्रतिशत राज्य और 17 प्रतिशत हिस्सा उद्योग का रहेगा। क्लस्टर प्रबंधन के लिए बनने वाले विशेष प्रयोजन वाहन में एंकर इंडस्ट्री पार्टनर की हिस्सेदारी 51 प्रतिशत रहेगी, जबकि केन्द्र और राज्य सरकार की हिस्सेदारी 24.5-24.5 प्रतिशत होगी। जिससे उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण, अप्रेंटिसशिप और रोजगार के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा। फिलहाल राज्य सरकार द्वारा भिवाड़ी के अलावा बाकी 11 क्लस्टर्स (जयपुर, जोधपुर, कोटा, भरतपुर, बांसवाड़ा, बालोतरा, बीकानेर, भीलवाड़ा, कोटपूतली, सीकर और पाली) के लिए एंकर इंडस्ट्री पार्टनर के प्रस्ताव आमंत्रित किए गए हैं।

शिक्षण के साथ मिलेंगे ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग और रियल एक्सपीरियंस

भिवाड़ी क्लस्टर में एंकर इंडस्ट्री पार्टनर एच.जी. इन्फ्रा इंजीनियरिंग लिमिटेड होगी, जिसका फोकस इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं कंस्ट्रक्शन क्षेत्र पर रहेगा। इसके तहत राजकीय आईटीआई भिवाड़ी हब होगा तथा राजकीय आईटीआई अलवर, नीमराणा, तिजारा और किशनगढ़बास स्पोक आईटीआई के रूप में जुड़ेंगे। हब में बनने वाले स्मार्ट क्लासरूम, आधुनिक प्रयोगशालाओं और डिजिटल कंटेंट का लाभ चारों स्पोक संस्थानों के विद्यार्थियों को भी मिलेगा। यहां एनसीआर से सटे ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और मैन्युफैक्चरिंग बेल्ट की मांग को देखते हुए एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग, ऑटोमेशन और इंजीनियरिंग के पाठ्यक्रम भी चलाए जाएंगे, जिससे स्टूडेंट्स को शिक्षण के साथ ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग और वास्तविक कार्य-अनुभव मिलेगा।

60,000 करोड़ की योजना से अपग्रेड होंगी आईटीआई

उल्लेखनीय है कि कुल 60,000 करोड़ रुपये की पीएम-सेतु योजना में केन्द्र का हिस्सा 30,000 करोड़ रुपये, राज्य सरकारों का 20,000 करोड़ रुपये और उद्योग जगत का 10,000 करोड़ रुपये है। योजना के तहत 1,000 सरकारी आईटीआई (200 हब और 800 स्पोक) को अपग्रेड किया जाएगा। राजस्थान के युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रोबोटिक्स, ड्रोन टेक्नोलॉजी, 5जी नेटवर्क, इलेक्ट्रिक व्हीकल, साइबर सुरक्षा, एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग, ग्रीन एनर्जी और कंस्ट्रक्शन ऑटोमेशन जैसे 32 से अधिक नए पाठ्यक्रमों का प्रशिक्षण मिलेगा। वहीं, 5 राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों को वैश्विक साझेदारियों के साथ 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' बनाया जा रहा है, जिससे राजस्थान के आईटीआई प्रशिक्षकों को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण मिलेगा। राजस्थान में पीएम-सेतु के प्रभावी क्रियान्वयन से कौशल प्रशिक्षण को औद्योगिक विकास की जरूरतों से जोड़ने, युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाने और स्थानीय उद्योगों को कुशल कार्यबल उपलब्ध करवाने में मदद मिलेगी। यह पहल प्रदेश में तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास के आधार को मजबूत करने के साथ युवाओं के लिए नए रोजगार अवसर सृजित करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शारदीय नवरात्र स्थापना पर की पूजा-अर्चना, प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

आमजन की खुशहाली के लिए की कामना

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शारदीय नवरात्र स्थापना पर मुख्यमंत्री निवास स्थित मां राज राजेश्वरी मंदिर में सपत्नीक विधिवत रूप से पूजा-अर्चना की तथा आमजन की खुशहाली के लिए कामना की। उन्होंने समस्त प्रदेशवासियों को नवरात्र पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री निवास के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री शर्मा ने सुनी शिकायत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान और प्रत्येक नागरिक को समयबद्ध राहत उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सचिवालय स्थित राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन-181 केंद्र का मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने औचक निरीक्षण कर शिकायत प्रबंधन एवं निस्तारण व्यवस्था की समीक्षा की। इस दौरान परिवादियों से संवाद कर उनकी समस्याओं की जानकारी प्राप्त की तथा संबंधित अधिकारियों को शिकायतों की नियमित निगरानी और निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आमजन की समस्याओं का समाधान, प्रशासनिक जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। हमारा प्रयास है कि राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन-181 प्रत्येक नागरिक की शिकायत के समाधान का त्वरित माध्यम बने तथा आमजन को समयबद्ध राहत मिल सके।

जयपुर से प्रकाशित हिन्दी अखबार
राज्य एवं भारत सरकार से राजकीय विज्ञापनों के लिए स्वीकृत
जागरूक जनता
विज्ञापन प्रतिनिधि
की आवश्यकता जो कमीशन पर कार्य कर सकें
सम्पर्क करें
9829329070, 9928022718
www.jagrukjanta.net

रबी सीजन में भी किसानों को मांग के अनुरूप मिलेगा डीएपी और यूरिया

खरीफ में मांग से अधिक उर्वरकों की आपूर्ति-कृषि मंत्री

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर /डूंगरपुर। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि प्रदेश में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। खरीफ सीजन-2026 में राज्य सरकार ने डीएपी एवं यूरिया की मांग से अधिक आपूर्ति कर किसानों को उर्वरक उपलब्ध कराए हैं। रबी सीजन में भी किसानों की मांग के अनुरूप उर्वरकों की समयबद्ध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि किसानों को उर्वरकों की उपलब्धता को लेकर चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, केंद्र सरकार से भी उर्वरकों की निरंतर आपूर्ति जारी है।

खरीफ में मांग से अधिक उपलब्ध कराया डीएपी और यूरिया

कृषि मंत्री ने बताया कि खरीफ सीजन-2026 में डीएपी की 5 लाख 10 हजार मीट्रिक टन मांग के विरुद्ध 5 लाख 44 हजार 995 मीट्रिक टन डीएपी उपलब्ध कराया गया। इसी प्रकार यूरिया की 11 लाख मीट्रिक टन मांग के मुकाबले 17

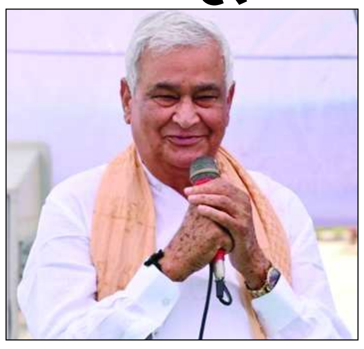

लाख 15 हजार 814 मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध कराया गया। इससे स्पष्ट है कि खरीफ सीजन में दोनों प्रमुख उर्वरकों की मांग के अनुरूप पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की गई। डॉ. मीणा ने बताया कि रबी सीजन में बुवाई अभी प्रारंभिक अवस्था में है। वर्तमान में प्रदेश में 1 लाख 5 हजार 584 मीट्रिक टन डीएपी तथा 3 लाख 63 हजार 969 मीट्रिक टन यूरिया का स्टॉक उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त डीएपी के 14 रैक, जिनमें लगभग 35 हजार मीट्रिक टन उर्वरक है, परिवहन के दौरान हैं। इनके 14 अक्टूबर, 2026 तक किसानों के लिए उपलब्ध होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि वर्तमान साप्ताहिक खपत के आधार पर प्रदेश में लगभग 18 दिन के लिए डीएपी तथा 35 दिन के लिए यूरिया का स्टॉक उपलब्ध है। केंद्र सरकार से लगातार आपूर्ति होने के कारण रबी सीजन में भी उर्वरकों की उपलब्धता बनाए रखने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

कालाबाजारी, जमाखोरी और अवैध डायवर्जन पर सख्त कार्रवाई

कृषि मंत्री ने कहा कि किसानों को उर्वरक वितरण में किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विभाग द्वारा समय-समय पर विशेष अभियान चलाकर जमाखोरी, कालाबाजारी, यूरिया के अवैध डायवर्जन, टैगिंग तथा अन्य अनियमितताओं में लिप्त विक्रेताओं के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026-27 में अब तक विभाग द्वारा 11,770 उर्वरक विक्रेताओं का निरीक्षण किया गया तथा 9,585 नमूने लिए गए। अनियमितताएं पाए जाने पर 1,238 फर्मों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। इसके अतिरिक्त 64 उर्वरक विक्रेताओं के विक्रय पर रोक लगाई गई, 128 फर्मों के उर्वरक प्राधिकार पत्र निलंबित अथवा निरस्त किए गए तथा 25 व्यक्तियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई गई।

महापौर सुनील कोठारी ने मुरलीपुरा जोन की ली मैराथन समीक्षा बैठक

'फील्ड में सक्रिय रहें अधिकारी, जनसमस्याओं का हो त्वरित समाधान'-महापौर कोठारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। नगर निगम जयपुर महापौर सुनील कोठारी ने मुरलीपुरा जोन के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं स्वच्छता योद्धाओं के साथ 2 घंटे से भी अधिक मैराथन बैठक कर जोन स्तर के प्रषासकीय ढांचे, राजस्व वृद्धि, सफाई व्यवस्था, सफाई से जुड़े संसाधनों एवं विकास कार्यो पर विस्तृत चर्चा की। महापौर ने बैठक में जोन क्षेत्र में सफाई व्यवस्था सहित विभिन्न नागरिक सुविधाओं एवं नगर निगम से संबंधित कार्यों का बारीकी से समीक्षा करते हुए अधिकारियों से जोनवार फीडबैक लिया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। महापौर सुनील कोठारी ने कृषि भूमि पर बसी स्वीकृत योजनाओं के अन्तर्गत के 3 आवेदकों को पट्टा दिया गया। बैठक में उपमहापौर सरोज कंवर, अतिरिक्त आयुक्त नरेन्द्र कुमार बंसल उपायुक्त (स्वास्थ्य)

सतर्कता, पशु प्रबंधन सहित संबंधित वार्ड पार्षद मौजूद रहे। बैठक में पीपीटी के माध्यम से जोन के प्रषासकीय ढांचे, राजस्व वृद्धि, सफाई व्यवस्था, विकास कार्यों सहित अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा की गई। महापौर ने इस अवसर पर कहा कि जयपुर नगर निगम जनता का नगर निगम बनाया जाये, जनहित को प्राथमिकता दी जाये, आमजन को अनावष्यक चक्कर ना लगाना पड़े इसके लिये षिकायतों का प्रभावी तरीके से निस्तारण किया जाये। जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की मासिक बैठक आयोजित हो जिससे समस्याऐं सुलझे और संवाद कायम हो तथा दीपावली तक वार्डवार विशेष सफाई अभियान चलाया जाये। महापौर ने कहा कि नवाचार के रूप में एक मंच पर अधिकारियों और वार्ड पार्षदों की बैठक आयोजित हो जिससे स्थानीय समस्याओं का निराकरण हो सकेगा।

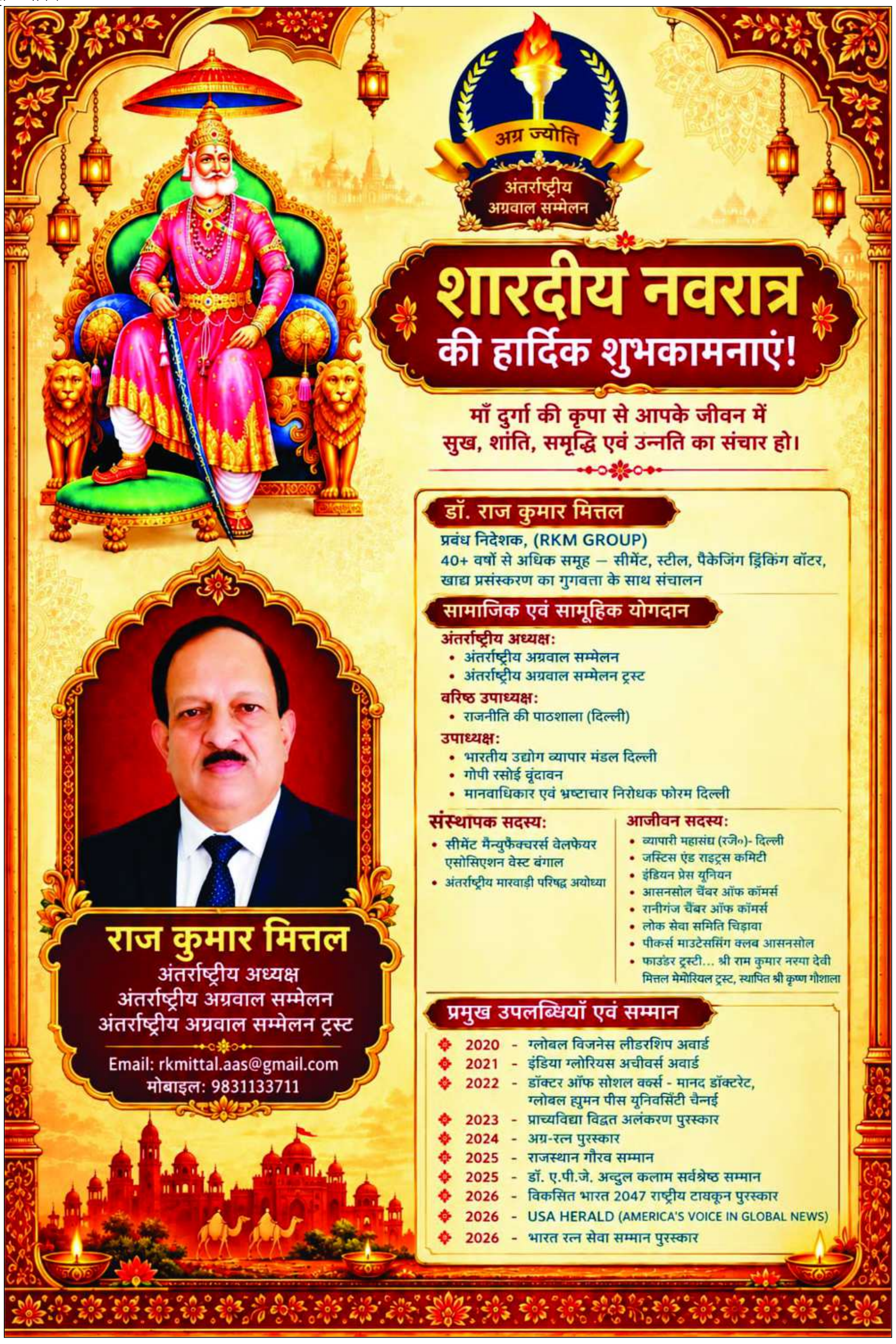

सम्पादकीय

सार्वजनिक परिवहन के साधन बढ़ाना बड़ी जरूरत

देश के तमाम बड़े शहर वाहनों की रेलमपेल व जाम की समस्या से ग्रस्त हैं। शहरों में दर्जनों फ्लाइओवर भी इस समस्या का समाधान नहीं कर पा रहे। इस समस्या के बीच नेशनल स्टेटिस्टिक्स ऑफिस की ओर से देश में पहली बार किए गए नेशनल हाउसहोल्ड ट्रैवल सर्वे के परिणाम चौंकाने वाले और चिंता में डालने वाले भी हैं। सर्वे कहता है कि हमारे देश में सिर्फ 15 प्रतिशत लोग ही काम पर आवागमन के लिए सार्वजनिक परिवहन सेवा का उपयोग करते हैं। बाकी लगभग 50 प्रतिशत कार या दुपहिया वाहन का उपयोग करते हैं और शेष 35 फीसदी पैदल या साइकिल से चलते हैं।

ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि जब दूसरे देश मेट्रो बस अथवा अन्य साधनों का इस्तेमाल करते हैं तो हम क्यों नहीं? क्या हमारी सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था सुदृढ़ नहीं है अथवा हमें अपने वाहनों का इस्तेमाल करना अधिक सुविधाजनक लगता है। कारण एक नहीं दोनों है।

अगर हम दुनिया के दूसरे देशों से हमारी तुलना करें तो इस दौड़ में हम अभी बहुत पीछे हैं। ये किसी से छिपा नहीं कि आज देश के बड़े शहर ट्रैफिक और पार्किंग संकट की लाइलाज बीमारी से जूझ रहे हैं। हर साल वाहनों की तेज गति से बढ़ती रफ्तार हमारे शहरों को ट्रैफिक की समस्या से तो रूबरू करा ही रही है, बढ़ता प्रदूषण भी बड़ी समस्या के रूप में सामने आ रहा है। भारत की तुलना में अधिक समृद्ध देश जैसे ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, हॉलैंड, स्पेन, इटली, जापान और सिंगापुर इस मामले में हमसे बहुत आगे हैं। इन देशों में 90 फीसदी से अधिक लोग काम पर जाने के लिए सार्वजनिक परिवहन सेवाओं का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि जब दूसरे देश मेट्रो बस अथवा अन्य साधनों का इस्तेमाल करते हैं तो हम क्यों नहीं? क्या हमारी सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था सुदृढ़ नहीं है अथवा हमें अपने वाहनों का इस्तेमाल करना अधिक सुविधाजनक लगता है। कारण एक नहीं दोनों है। दूसरे देशों की तुलना में 145 करोड़ जनसंख्या वाले हमारे देश में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था उतनी मजबूत नहीं है। ट्रैफिक से जुड़ी प्रदूषण की समस्या से छुटकारा पाने के लिए देश की राजधानी में कुछ समय पहले ऑड एंड ईवन व्यवस्था लागू की गई थी। यानी आधे वाहन एक दिन सड़कों पर उतरें तो शेष अगले दिन। लेकिन यह व्यवस्था भी शीघ्र दम तोड़ गई। जिस गति से वाहनों की संख्या बढ़ रही है, वह भविष्य की तस्वीर को लेकर चिंता पैदा करने वाली है। इससे निपटने के ठोस उपाय अभी तलाशने पड़ेंगे। सबसे बेहतर विकल्प तो यही है कि शहरों में सार्वजनिक परिवहन के लिए बस सेवाओं को मजबूत बनाया जाए। दूसरा उपाय स्कूलों, दुकानों और सरकारी-निजी कार्यालयों के समय भी शिफ्टों में किए जा सकते हैं। इससे सुबह और शाम के समय लगने वाले जाम से मुक्ति मिल सकती है। इसके साथ-साथ प्रदूषण से भी मुक्ति मिल सकती है। दुनिया के दूसरे देशों की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था का अध्ययन करके उससे भी कुछ सीख ली जाए तो देश एक बड़ी समस्या के निदान की तरफ सकारात्मक कदम उठा सकता है।

नवरात्रि का महत्व

नवरात्रि अर्थात? दिव्य नौ रातें, गहरे विश्राम और शरीर तथा मन को पुनः ऊर्जावान बनाने का उत्तम समय होता है। इसमें प्रत्येक दिन देवी माँ के नौ रूपों में से एक रूप को समर्पित किया जाता है। अंतिम दिन, अर्थात् दसवें दिन, जिसे विजयदशमी कहा जाता है, को लोक मान्यता के अनुसार बुराई पर अच्छाई की विजय के प्रतीक रूप में मनाया जाता है, परंतु वास्तव में इसका गहरा अर्थ है, सतोगुण की अन्य गुणों पर विजय, अर्थात? उसी एक चेतना का प्रकट होना।

संतोष मिश्रा
स्वतंत्र पत्रकार
@jagrukjanta.net

नवरात्रि का महत्व - नौ दिव्य रातेंः- रात्रि शब्द का अर्थ है, वह जो हमें तीनों प्रकार की ताप से राहत या गहरा विश्राम देती है। ताप का अर्थ है तीन प्रकार की ज्वाला /अग्नि या तीन परेशानियाँ- स्थूल, सूक्ष्म और करणीय। तीन प्रकार की परेशानियाँ हैं-आदि भौतिक-सांसारिक परेशानियाँ आदि दैविक- लौकिक देवदूतों अथवा देवताओं के स्तर की परेशानियाँ और तीसरी आत्मा के स्तर की परेशानियाँ। नवरात्रि का समय गहन विश्राम का समय होता है, जो हमें इन तीनों परेशानियों से मुक्त कर सकता है, इसलिए यह समय प्रार्थना और पुनः ऊर्जावान बनने का समय होता है।

नवरात्रि में आपका मन दैवीय चेतना में डूबा होना चाहिए। एक शिशु को भी जन्म लेने में नौ महीने का समय लग जाता है। उसी प्रकार यह नौ दिन भी वैसे हैं, जैसे हम माँ के गर्भ से पुनः बाहर आ रहे हों, एक नए जन्म का समय। इन नौ दिन और रातों में हमें अपने भीतर जाकर अपने मूल का स्मरण करना चाहिए। स्वयं से यह प्रश्न करो, "मेरा जन्म कैसे हुआ?", "मेरा मूल स्त्रोत क्या है?" आपको अपनी चेतना पर चिंतन करना चाहिए और इन नौ दिनों को नौ महीनों की भांति देखना चाहिए। नवरात्रि के प्रथम तीन दिन तमोगुण या जड़ता को, अगले तीन दिन रजोगुण या बेचैनी और कार्यशीलता को और अंतिम तीन दिन सतोगुण या पवित्रता और उच्च स्तरीय प्राण शक्ति को समर्पित होते हैं। हमारे भीतर तीनों गुण होते हैं : सत्व, रजस और तमस। और इन तीनों गुणों पर विजय पाने अर्थात् केंद्रित रह कर जीवन का उत्सव मनाने के प्रतीक - अंतिम दिन को विजयदशमी कहते हैं।

इन नौ दिनों के उत्सव का उद्देश्य व्यक्ति को उसके अंतःकरण में ले जाना और उसकी चेतना को ऊपर उठाना है-यह आंतरिक और उपरगामी यात्रा है। हमारा मन इतना कपटी है कि यह हमें हमारे लक्ष्य से हटा कर छोटी छोटी बातों में उलझा देता है। हमारे आसपास किसी के छींकने से या खर्राटे लेने भर से यह हमें मार्ग से भटका सकता है। और जब हम सजग रहकर यह जान लेते हैं कि हमारा मन नकारात्मकता के दुष्चक्र में जा रहा है, तो हम सजग हो जाते हैं। तब हम इधर उधर भटकते अपने छोटे मन को वश में कर सकते हैं। इसलिए यह नौ रातें हमारे लिए विश्राम का समय हैं। यदि कोई द्वंद्व उत्पन्न होता भी है तो उन सब को एक ओर रखकर अपने भोलेभाले मूल स्वभाव में वापस आ जाओ।

सेवा, संकल्प और सुशासन के 25 वर्ष

विकसित भारत की ओर मोदी युग की नई यात्रा

भजन लाल शर्मा
मुख्यमंत्री
@jagrukjanta.net

मोदी सरकार के 12 वर्षों की यात्रा में बुनियादी ढांचे, विनिर्माण, डिजिटल अर्थव्यवस्था, रेलवे, सड़क, विमानन, ऊर्जा, रक्षा उत्पादन और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्रों में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है। इन 12 वर्षों में रक्षा उत्पादन लगभग चार गुना, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण लगभग सात गुना और मोबाइल फोन उत्पादन लगभग 35 गुना बढ़ा है। यह परिवर्तन उस भारत की तस्वीर प्रस्तुत करता है जो केवल बाजार नहीं, बल्कि उत्पादन, नवाचार और आत्मनिर्भरता का वैश्विक केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष का सतत नेतृत्व अपने आप में एक असाधारण उपलब्धि है। 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में श्री नरेंद्र मोदी जी ने शासन की बागडोर संभाली थी। आज 7 अक्टूबर 2026 को उनके शासनाध्यक्ष के रूप में 25 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। इन 25 वर्षों की यात्रा केवल राजनीतिक यात्रा नहीं, बल्कि बदलते भारत की आकांक्षाओं, आत्मविश्वास और विकास की यात्रा का महत्वपूर्ण अध्याय है। गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर तीन बार देश के प्रधानमंत्री बनने तक श्री नरेंद्र मोदी जी ने भारतीय राजनीति में विकास, सुशासन, जनभागीदारी और राष्ट्र प्रथम की सोच को एक नई दिशा दी है।

मोदी जी के 25 वर्षों के सार्वजनिक नेतृत्व की सबसे बड़ी विशेषता यह रही है कि उन्होंने शासन को केवल सत्ता संचालन का माध्यम न मानकर जनसेवा और राष्ट्र निर्माण का संकल्प बनाया। गुजरात में उनके मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान जल प्रबंधन, सिंचाई, बिजली, सड़क, निवेश, औद्योगिक विकास और प्रशासनिक सुधारों पर विशेष जोर दिया गया।

वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद उनकी विकास दृष्टि राष्ट्रीय स्तर पर सामने आई। जनधन से वित्तीय समावेशन, स्वच्छ भारत से स्वच्छता का जनआंदोलन, उज्ज्वला से महिलाओं के जीवन में सुविधा, प्रधानमंत्री आवास से गरीबों को सम्मानजनक आवास, आयुष्मान भारत से स्वास्थ्य सुरक्षा, जल जीवन मिशन से घर-घर नल और डिजिटल इंडिया से तकनीक को आम नागरिक तक पहुंचाने जैसे प्रयासों ने शासन की प्राथमिकताओं को व्यापक बनाया।

वर्ष 2014 में जब श्री नरेंद्र मोदी जी ने प्रधानमंत्री के रूप में देश की जिम्मेदारी संभाली, तब भारत के सामने गरीबी, बुनियादी सुविधाओं की कमी, वित्तीय समावेशन, कमजोर आधारभूत ढांचा, रोजगार की आवश्यकता और वैश्विक स्तर पर भारत की भूमिका को और मजबूत करने जैसी बड़ी चुनौतियां थी।

मोदी सरकार के 12 वर्षों की यात्रा में बुनियादी ढांचे, विनिर्माण, डिजिटल अर्थव्यवस्था, रेलवे, सड़क, विमानन, ऊर्जा, रक्षा उत्पादन और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्रों में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है। इन 12 वर्षों में रक्षा उत्पादन लगभग चार गुना, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण लगभग सात गुना और मोबाइल फोन उत्पादन लगभग 35 गुना बढ़ा है। यह परिवर्तन उस भारत की तस्वीर प्रस्तुत करता है जो केवल बाजार नहीं, बल्कि उत्पादन, नवाचार और आत्मनिर्भरता का वैश्विक केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

मोदी युग की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि भारत के आत्मविश्वास में आया परिवर्तन भी है। आज भारत वैश्विक मंच पर अपनी बात अधिक आत्मविश्वास से रखता है। 'मेक इन इंडिया', 'आत्मनिर्भर भारत', डिजिटल क्रांति, स्टार्टअप इंडिया और नवाचार पर जोर ने युवा भारत की आकांक्षाओं को नई ऊर्जा दी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की गरीब कल्याण और आर्थिक विकास को साथ लेकर चलने की नीति ने भारत की विकास यात्रा को नई दिशा दी है। रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण, सेमीकंडक्टर निर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स, स्टार्टअप और नवाचार तथा अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी भागीदारी ने भारत की आर्थिक और तकनीकी क्षमता को नई ऊंचाई देने का आधार तैयार किया है।

किसी भी राष्ट्र की आर्थिक शक्ति का आधार उसका बुनियादी ढांचा होता है। पिछले वर्षों में सड़क, रेल, एक्सप्रेसवे, हवाई अड्डे, बंदरगाह, मेट्रो और आधुनिक परिवहन व्यवस्था के विस्तार ने भारत की कनेक्टिविटी को नई गति दी है। देश में सड़क निर्माण, आधुनिक एक्सप्रेसवे, नए हवाई अड्डे और वंदे भारत जैसी आधुनिक रेल सेवाओं का विस्तार इस परिवर्तन की व्यापकता को दर्शाता है। बेहतर सड़क यात्रा को आसान बनाने के साथ ही किसान को बाजार से जोड़ती है, उद्योग को कच्चा माल उपलब्ध कराती है, युवाओं को रोजगार के अवसरों से जोड़ती है और छोटे शहरों को बड़े आर्थिक केंद्रों के करीब लाती है। यह निवेश वास्तव में भविष्य के भारत में निवेश है।

भारत की विकास यात्रा में डिजिटल क्रांति शायद सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तनों में से एक है। जनधन, आधार और मोबाइल ने वित्तीय समावेशन को नया स्वरूप दिया। अगस्त 2026 तक प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत 59 करोड़ से अधिक खाते खोले जा चुके थे। इनमें बड़ी संख्या महिलाओं तथा ग्रामीण एवं अर्द्धशहरी क्षेत्रों के लोगों की है।

आज गांव का सामान्य नागरिक भी डिजिटल भुगतान करता है, बैंकिंग सेवाओं का उपयोग करता है और अनेक सरकारी सेवाएं अपने मोबाइल फोन से प्राप्त कर सकता है। विकास तभी सार्थक है, जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। आयुष्मान भारत, जन औषधि, स्वास्थ्य ढांचे का विस्तार, चिकित्सा शिक्षा में वृद्धि, महिला सशक्तीकरण, किसान कल्याण, कौशल विकास और स्वरोजगार की योजनाओं ने विकास को मानवीय चेहरा प्रदान किया है।

भारत की विकास यात्रा में महिलाओं की भूमिका को भी नई प्राथमिकता मिली है। आज महिला केवल योजनाओं की लाभार्थी नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था, उद्यमिता, नवाचार और राष्ट्र निर्माण की सक्रिय भागीदार बनने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

भारत की आधुनिकता उसकी सभ्यता से अलग नहीं हो सकती। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास और सांस्कृतिक विरासत को साथ लेकर चलने की सोच भी स्पष्ट दिखाई देती है। अयोध्या में श्रीराम मंदिर, काशी विश्वनाथ धाम, उज्जैन के महाकाल लोक जैसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक केंद्रों का विकास यह संदेश देता है कि आधुनिक भारत अपनी जड़ों से जुड़कर ही विश्व के सामने आत्मविश्वास के साथ खड़ा हो सकता है।

पिछले वर्षों में भारत की वैश्विक भूमिका भी व्यापक हुई है। आर्थिक शक्ति, डिजिटल तकनीक, अंतरिक्ष, योग, जलवायु, वैक्सीन, वैश्विक दक्षिण और अंतरराष्ट्रीय सहयोग जैसे विषयों पर भारत की आवाज पहले की तुलना में अधिक प्रभावशाली हुई है।

मेरे लिए, राजस्थान के मुख्यमंत्री के रूप में, यह सौभाग्यशाली अवसर इसलिए भी विशेष है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की विकास यात्रा में राजस्थान को भी निरंतर नई ऊर्जा और नई संभावनाएं मिली हैं। राजस्थान के लिए भी मोदी जी का नेतृत्व अनेक दृष्टियों से महत्वपूर्ण रहा है। पचपदरा की एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी-कम-पेट्रोकेमिकल परियोजना, बांसवाड़ा में परमाणु ऊर्जा संयत्र, जयपुर मेट्रो फेज-2, राइजिंग राजस्थान, भारत माला, ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस वे सहित रेलवे एवं हवाई कनेक्टिविटी जैसी अनेक बड़ी परियोजनाएं राजस्थान की औद्योगिक, परिवहन और आर्थिक संभावनाओं को नई गति देने वाली हैं।

मोदी जी के मार्गदर्शन में राजस्थान की दशकों से लम्बित जल परियोजनाओं से संबंधित अर्न्तराज्यीय समझौते सम्पन्न हुए हैं। रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल, किशाऊ, नर्मदा और माही सहित जल परियोजनाओं से पीढ़ीयों की प्यास बुझने की आस जगी है। वर्ष 2001 का गुजरात, 2014 का भारत और 2026 का भारत इन तीन पड़ावों को यदि एक साथ देखा जाए तो यह स्पष्ट होता है कि इन 25 वर्षों में भारत ने अपनी सोच, अपनी क्षमता और अपने आत्मविश्वास का विस्तार किया है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को शासनाध्यक्ष के रूप में 25 वर्ष पूर्ण करने पर मैं राजस्थान की जनता की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। सार्वजनिक जीवन की उनकी यह लंबी यात्रा लोकतांत्रिक भारत में सेवा, संकल्प और निरंतर कर्म की एक महत्वपूर्ण कहानी है। मेरी कामना है कि उनका अनुभव, ऊर्जा और राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता आने वाले वर्षों में भी देश को नई दिशा देती रहे।

ओपिनियन

न दवा, न दुआ, न बंद कमराः अवसाद-तनाव से जंग जीतने के लिए अब 'प्रकृति' ही सहारा

कंक्रीट के जंगलों, अंतहीन काम के घंटों और स्क्रीन की नीली रोशनी से झुलस चुके शहरी युवाओं को अवसाद से बचाने के लिए अब एक अनोखी थेरेपी काम आ रही है। दवाओं और बंद कमरों के पारंपरिक इलाज से अलग, अब भयंकर डिप्रेशन और एंजायटी का तोड़ मिट्टी की सोंधी महक और घने जंगलों के मौन सन्नाटे में खोजा जा रहा है। विदेशों की तर्ज पर भारत में भी तेजी से लोकप्रिय हो रहा 'ग्रीन प्रिस्क्रिप्शन' का यह नया लाइफस्टाइल ट्रेंड यह साबित करता है कि जब इंसानी दिमाग तकनीक के दबाव से पूरी तरह थक जाता है, तो उसे सुकून और हीलिंग केवल कुदरत की गोद में ही मिल सकती है।

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सुबह की भीगी हुई मिट्टी की वह सोंधी महक, पेड़ों के पत्तों से छनकर आती गुनगुनी धूप, और चिड़ियों की चहचहाहट के बीच नंगे पैर घास पर चलना। गौशालाओं में गायों के साथ समय बिताना या दूर किसी छोटे से गाँव-कस्बे में जाकर चुपचाप कुछ दिन एकांत में रहना टाइप जीवन शैली अपनाने के पीछे केवल किसी गांव या अपनी शानदार छुट्टी की सुखद याद नहीं रह गया है, बल्कि मानसिक रोगों से जूझ रहे शहरी समाज के लिए एक अचूक और वैज्ञानिक औषधि बन चुका है। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के मौके पर जहाँ एक ओर दवाओं और काउंसिलिंग के पारंपरिक तरीकों पर चर्चा हो रही है, वहीं दूसरी ओर एक बेहद अनूठा और सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। इसे चिकित्सा जगत में 'इको-थेरेपी' (Eco-therapy) या 'ग्रीन प्रिस्क्रिप्शन' कहा जा रहा है। महानगरों के कंक्रीट के जंगलों, अंतहीन काम के घंटों और स्क्रीन की चकाचौंध से थक चुके युवा अब अपने अवसाद, अनिद्रा और क्रोनिक एंग्जायटी का इलाज किसी बंद कमरे या क्लिनिक में खोजने के बजाय, जंगलों, मिट्टी और पेड़-पौधों के बीच खोज रहे हैं।

मणिमाला शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

शिनरिन-योकुः जब पेड़ बनते हैं थेरेपिस्ट

इस थेरेपी की जड़ें जापान की प्राचीन पद्धति 'शिनरिन-योकु' (Shinrin-yoku) यानी 'फॉरेस्ट बाथिंग' (जंगल के वातावरण को इंद्रियों से ग्रहण करना) में छिपी हैं। इसका मतलब जंगल में नहाना नहीं, बल्कि प्रकृति के सन्नाटे को खुद के भीतर उतारना है। चिकित्सा विज्ञान ने भी यह माना है कि जब हम पेड़ों के संपर्क में आते हैं, तो वे 'फाइटनसाइड्स' (Phytoncides) नामक जैविक यौगिक छोड़ते हैं। यह यौगिक जब सांस के जरिए हमारे शरीर में जाता है, तो हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता (Immunity) बढ़ती है और मस्तिष्क की तंत्रिकाएं शांत होती हैं। जापान और अमेरिका के चिकित्सा शोधों के अनुसार, प्रकृति के बीच सिर्फ आधा घंटा बिताने से उच्च रक्तचाप (High Blood Pressure) में कमी आती है और मानसिक थकान (Mental Fatigue) पूरी तरह दूर हो जाती है। यही वजह है कि अब देश के प्रमुख मनोचिकित्सक अपने पर्चे पर दवाओं के साथ 'हर दिन 30 मिनट प्रकृति के साथ बिताने' की हिदायत अनिवार्य रूप से लिख रहे हैं।

मिट्टी का जादूः रासायनिक रूप से सिद्ध है थेरेपी

हमारे देश में मिट्टी से जुड़ाव का सबसे बड़ा उदाहरण भगवान राम और श्री कृष्ण का है । जिसमें दोनों ही ने मिट्टी में खेल कर और मिट्टी खाकर यह बताने का प्रयास किया कि धरती और उससे जुड़ाव हमारी स्वस्थ जीवन शैली के लिए कितना महत्वपूर्ण है ? आज माताएं अपने बच्चों को मिट्टी खाना तो छोड़िये उन के तन पर मिट्टी का एक कण नहीं लगने देती हैं। लेकिन अब फिर वही सत्य सनातन की परम्पराएं पूरी दुनिया में गूंज रही हैं । सुनने में भले ही यह पारंपरिक या घरेलू नुस्खा लगे, लेकिन इसके पीछे का विज्ञान बेहद ठोस है। न्यूरो-साइंटिस्ट्स की एक रिसर्च के मुताबिक, मिट्टी में पाया जाने वाला एक हानिरहित बैक्टीरिया 'माइकोबैक्टीरियम वैके' इंसानी मस्तिष्क के न्यूरॉन्स को उत्तेजित करता है। यह न्यूरॉन्स वही 'सेरोटोनिन' (Serotonin) हार्मोन छोड़ते हैं, जिसे हम आम बोलचाल में 'खुशी का हार्मोन' कहते हैं। यही वजह है कि जो लोग गार्डनिंग (बागवानी) करते हैं या खेतों और पार्कों में मिट्टी से जुड़कर काम करते हैं, उनमें अवसाद का स्तर उन लोगों की तुलना में 35% कम पाया गया है जो हमेशा एसी कमरों और बंद दफ्तरों में कीबोर्ड पर उंगलियां चलाते रहते हैं। पिछले दो वर्षों में देश के बड़े शहरों (दिल्ली-एनसीआर, बेंगलुरु, मुंबई) के पास लगभग 45% नए 'इको-थेरेपी' और डिजिटल डिटॉक्स सेंटर्स खुले हैं।

केस स्टडीः "दवाएं जो काम नहीं कर सकीं, वह मिट्टी ने कर दिखाया"

सॉफ्टवेयर इंजीनियर 32 वर्षीय रोहन मेहता (नाम परिवर्तित) बताते हैं, "तीन साल की लगातार नाइट शिफ्ट और कॉरपोरेट प्रेशर ने मुझे एंग्जायटी का मरीज बना दिया था। मैं पैनिक अटैक की दवाएं ले रहा था, जिससे बस नींद आती थी, समस्या का हल नहीं होता था। फिर मेरे डॉक्टर की सलाह पर मैंने शहर के बाहरी इलाके में एक 'कम्युनिटी फार्मिंग' ग्रुप जॉइन किया। हर रविवार को 4 घंटे मिट्टी में काम करना, पौधे लगाना और फोन को बंद रखना,इस रूटीन ने चमत्कार कर दिया। छह महीने में मेरी दवाएं छूट गईं। अब मेरा दिमाग बिल्कुल शांत रहता है।"

गैजेट्स से आज़ादी और टूटते रिश्तों को संजीवनी

इस लाइफस्टाइल बदलाव का एक और पहलू 'डिजिटल डिटॉक्स' (Digital Deto&) है। शहरी जोड़े जो एक ही छत के नीचे रहते हुए भी अपनी-अपनी मोबाइल स्ˆीन में खोए रहते हैं, वे अब आपसी चिड़चिड़ापन और वैवाहिक तनाव को कम करने के लिए इन नेचर कैंप्स का सहारा ले रहे हैं। बिना वाई-फाई और बिना नेटवर्क वाले इन ग्रामीण परिवेशों में दो दिन का सन्नाटा ही उनके अशांत मन को वापस पटरी पर ला रहा है। यही वजह है कि बड़ी कॉरपोरेट कंपनियाँ भी अब अपने कर्मचारियों के मानसिक बर्नआउट को रोकने के लिए 'नेचर विज़िट' स्पॉन्सर कर रही हैं।

कंक्रीट से कुदरत की ओर लौटने का समय

आज सही मायनो में देखा जाए तो मानसिक स्वास्थ्य का समाधान केवल मेडिकल स्टोर की गोलियों में नहीं छिपा है। तकनीकी प्रगति की अंधी दौड़ में हमने जो खोया है, उसे पाने का रास्ता कुदरत की ओर ही जाता है। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने बच्चों को वीडियो गेम्स और मोबाइल स्क्रीन से बाहर निकालें, पार्कों में ले जाएं, उनके हाथों में मिट्टी लगने दें। कंˆीट के इस दौर में कुदरत से नाता जोड़ना अब कोई शौक नहीं, बल्कि हमारी मानसिक सेहत को जिंदा रखने की सबसे बड़ी जरूरत बन चुका है।

पंचांग

ज्योतिर्विद्
अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 14/10/2026

सूर्योदय : 06:29 **सूर्यास्त** : 17:55 **चन्द्रोदय** : 09:46 **चन्द्रास्त** : 20:11 **शक सम्वत** : 1948 पराभव **विक्रम संवत्** : 2083 सिद्धार्थी **अमान्ता महीना** : आश्विन **पूर्णिमांत** : आश्विन **सूर्य राशि** : कन्या **चन्द्र राशि** : वृश्चिक **पक्ष** : शुक्ल **तिथि** : चतुर्थी, 25:15 तक **वार** : बुधवार **कलियुग** : 5127 वर्ष **द्रिक-वैदिक अयन** : दक्षिणायन **द्रिक ऋतु** : शरद।

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : अनुराधा, 27:56 तक
योग : आयुष्मान, 20:39 तक
प्रथम करण : वणिजा, 12:19 तक
द्वितीय करण : विष्टि, 25:15 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:41 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	05:06 ए एम से
विजय मुहूर्त	02:02 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	05:53 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	05:53 पी एम से
अमृत काल	04:38 पी एम से
निशिता मुहूर्त	11:42 पी एम से
सर्वार्थ सिद्धि योग	06:21 ए एम से
अमृत सिद्धि योग	06:21 ए एम से
रवि योग	06:21 ए एम से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में

राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में

होमाहुति : बुध

चन्द्रवास : उत्तर

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया
लाभ	: 06:28 - 07:54	उद्वेग : 17:55 - 19:29
अमृत	: 07:54 - 09:20	शुभ : 19:29 - 21:03
काल काल वेला	: 09:20 - 10:46	अमृत : 21:03 - 22:37
शुभ	: 10:46 - 12:11	चर : 22:37 - 00:12
रोग वार वेला	: 12:11 - 13:37	रोग : 00:12 - 01:46
उद्वेग	: 13:37 - 15:03	काल : 01:46 - 03:20
चर	: 15:03 - 16:29	लाभ : 03:20 - 04:54
लाभ	: 16:29 - 17:55	उद्वेग : 04:54 - 06:29

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज चतुर्थी

आज कौन सा कार्य करें

चतुर्थी, नवमी व चतुर्दशी रिक्ता तिथियां हैं। इनमें कोई भी मांगलिक कार्य नहीं करने चाहिए।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

आश्विन, शुक्ल, चतुर्थी, 2083 बुधवार, 14 अक्टूबर - 20 अक्टूबर, 2026

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
लम्बित मामलों के परिणाम आपके पक्ष में होने की सम्भावना है। व्यवसाय में सहयोगी आपके कार्यों से प्रसन्न रहेंगे। निर्माण कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव कर सकते हैं।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
व्यापार में जिम्मेदारियाँ बढ़ सकती है। आपकी कर्तव्यनिष्ठा की प्रशन्सा होगी। मित्रों का सहयोग लेना हितकारी होगा। जो लोग आपके विरुद्ध थे, वे अचानक आपके पक्ष में आ सकते हैं।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]
विदेश में कार्यरत लोगों को सम्मान मिल सकता है। व्यवसाय में रुके हुये कार्यों में सफलता मिलेगी। जॉब में बदलाव करने का विचार बनायेंगे। प्रेम सम्बन्धों में कुछ प्रतिकूलता रहेगी।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे]
व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना

भारतवर्ष में नागौर जिले का द्वितीय स्थान, हर्ष का माहौल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के अंतर्गत नागौर जिले ने पूरे भारतवर्ष में द्वितीय स्थान प्राप्त कर गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल की। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 12 अक्टूबर को नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में इस उपलब्धि के लिए नागौर जिले को सम्मानित किया। जिला कलेक्टर देवेंद्र कुमार ने इस सम्मान एवं पुरस्कार को नागौर जिले के किसानों को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय नोडल अधिकारी के लगातार मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण में यह उपलब्धि जिले के मेहनतकश किसानों के सहयोग, कृषि व उद्यान, पशुपालन, कृषि विपणन, सहकारिता, बैंक, पंचायती राज, भु-अभिलेख, कृषि विज्ञान केंद्र, कृषि अनुसंधान एवं अन्य संबंधित विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की मेहनत तथा विभिन्न विभागों के आपसी समन्वय का परिणाम है।

कृषि एवं सम्बन्धित विभागों की पूरी टीम की मेहनत का परिणाम

मोदी सरकार अन्नदाता के सम्मान और उसकी आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पीएम किसान सम्मान निधि व प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना समेत कई योजनाएं संचालित कर रही है। भजनलाल सरकार ने इन योजनाओं के साथ ही राज्य के बजट से सीएम किसान सम्मान निधि समेत अन्य कई बड़ी योजनाएं संचालित कर रखी हैं जिनके उल्लेखनीय परिणाम आएं हैं। जिले में प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के प्रभावी रि यान्वयन के लिए कृषि विभाग द्वारा लगातार मॉनिटरिंग, समीक्षा एवं फील्ड स्तर पर विभिन्न गतिविधियों की प्रगति पर निगरानी रखी गई। योजना के निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने तथा किसानों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने समन्वित प्रयास किए। इस उपलब्धि में संयुक्त निदेशक कृषि रविंद्र सिंह रियाड़ सहित सहायक निदेशकों, सहायक कृषि अधिकारियों, कृषि पर्यवेक्षकों एवं अन्य कार्मिकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। जिला स्तर पर योजना की प्रभावी मॉनिटरिंग एवं विभिन्न विभागों के साथ समन्वय में सहायक निदेशक शंकर राम सियाक तथा सुभाष चन्द्र का भी उल्लेखनीय योगदान रहा। जिला कलेक्टर देवेंद्र कुमार ने कृषि विभाग की पूरी टीम को बधाई देते हुए उनकी मेहनत, समर्पण एवं सतत मॉनिटरिंग की सराहना की।

गौरक्षा कन्या रक्षा का वचनबद्ध अखण्ड संकल्प ही वास्तविक नवरात्रि पूजन'-मिश्र

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। गौमाता सेवक समिति परिवार एवं सभी गौसेवकों गौभक्तों ने आश्विन मास सर्वपितृ अमावस्या पर्व पर 65वां गोसेवा महामहोत्सव श्रीराम कृपा गौसेवा राष्ट्रमाता मंदिर गौधाम (गौशाला) मानसिंहपुरा बेगस बगरु जयपुर में गौमाता संकीर्तन एवं भजनों के साथ शास्त्रोक्त सर्वपितृ तर्पण सैंकड़ों गोभक्तो गोसेवकों एवं श्रद्धालुओं के साथ अपार हर्षोल्लास एवं भावविभोर होकर मनाया गया।

शुरुआत में गोपुत्र ज्योतिर्विद पंडित मानस संजय मिश्र ने सभी गोभक्तो गोसेवकों संतों महन्तों से निवेदन करते हुए गौसम्मान आह्वान अभियान महायज्ञ तृतीय चरण के तहत भारत सरकार एवं समस्त राज्य सरकारों से गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करवाने संवैधानिक क़ानूनी दर्जा प्रदान करने के लिए आने वाली 18 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में एकत्र होकर भारत सरकार को जाग्रत करने के लिए बेजुबान गौमाताओं के बेरहम क़त्ल के लिए सभी बुचडखाने तत्काल प्रभाव से बंद हो और गौहत्या पर प्रतिबंध एवं गौमाता को राष्ट्रमाता का संवैधानिक क़ानूनी दर्जा दिये जाने का आह्वान किया। इस अवसर पर गौमाता सेवक समिति परिवार की तरफ से श्रीराम कृपा गौसेवा राष्ट्रमाता गौधाम में 21 मण सुखा चारा, 1101 पुली हरा चारा, गुड़ के कार्टून, चार तगारी दो फावड़े, 11 पेड़ वृक्षारोपण के लिए, पंछियों के लिए 21 दाना पात्र एवं परीण्डे, कीड़ी नगरा एवं गौमाता की अन्य सेवाओं के साथ श्रीराम कृपा गोधाम के विकास के लिए 11 हजार रूपए का चैक गौधाम के अध्यक्ष दिनेश कुमावत सचिव रामसहाय यादव को प्रदान किया। समापन पर सामुहिक प्रसादी ग्रहण कर उपस्थित सभी गौसेवकों एवं श्रद्धालुओं का आभार प्रकट किया! इस अवसर पर रामचंद्र, विनोद, महावीर, बजरंग लाल, सांवरमल, पप्पु प्रजापत, लक्ष्मण गहलोत, सुरेश सोनी, महेश, कानाराम, मोहन, रामस्वरूप, विजेन्द्र, हनुमान एवं समस्त गणमान्य मानसिंहपुरा बेगस निवासी आमजन उपस्थित थे साधुवाद जय गोमाता जय गोपाल।

सीड पोर्टल पर रबी 2026-27 के बीजों का डेटा लाइव

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोबनेर। श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विवि, जोबनेर द्वारा विकसित सीड बुकिंग एवं प्रबंधन पोर्टल पर रबी 2026-27 के बीजों का डेटा लाइव कर दिया गया है। किसान पोर्टल के माध्यम से विभिन्न फसलों एवं किस्मों के प्रमाणित बीजों की उपलब्धता, स्टॉक, दर तथा अन्य जानकारियां प्राप्त कर ऑनलाइन बुकिंग कर सकते हैं। कुलगुरु प्रो. डॉ पीएस चौहान ने कहा कि यह पहल किसानों को गुणवत्तायुक्त बीजों की जानकारी उपलब्ध कराने तथा बीज बुकिंग प्रक्रिया को पारदर्शी एवं सुविधाजनक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। निदेशक अनुसंधान डॉ. उम्मेद सिंह ने बताया कि पोर्टल किसानों को आवश्यकता अनुसार उपयुक्त किस्म के बीज का चयन करने में मदद करेगा। अतिरिक्त निदेशक अनुसंधान (बीज) डॉ. एसएस पुनिया ने कहा कि इससे बीजों की उपलब्धता की जानकारी लेना और बुकिंग करना आसान होगा।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में निःशुल्क विरेचन-रक्तमोक्षण शिविर के तहत 80 लोगों ने किया रक्तदान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (मानद विश्वविद्यालय), जयपुर में स्वास्थ्य संवर्धन के लिए 27 अक्टूबर तक निःशुल्क विरेचन एवं रक्तमोक्षण कर्म शिविर आयोजित किया जा रहा है। इसी के तहत पंचकर्म विभाग, राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई और श्रीजी प्रसादम फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान शिविर लगाया गया। इसमें 80 लोगों ने रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया। संस्थान के कुलपति प्रो. संजीव शर्मा ने कहा कि पंचकर्म आयुर्वेद की महत्वपूर्ण चिकित्सा पद्धति है, जो शरीर की शुद्धि और स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक है। पंचकर्म विभागाध्यक्ष प्रो. गोपेश मंगल ने बताया कि शिविर में शारदीय विरेचन और रक्तमोक्षण के जरिए पित्त, रक्त विकार व त्वचा संबंधी समस्याओं के उपचार के लिए निःशुल्क चिकित्सा दी जा रही है। प्रो. मंगल ने बताया कि शरद ऋतु में शरीर में जमा पित्त दोष को विरेचन कर्म के माध्यम से बाहर निकालने की आयुर्वेद में विशेष परंपरा है। वहीं, रक्तमोक्षण का उपयोग कुछ विशेष स्थितियों में, खासकर त्वचा संबंधी रोगों और रक्त विकारों के उपचार में किया जाता है। संस्थान में 27 अक्टूबर तक चल रहे निःशुल्क शिविर में मरीजों को विरेचन एवं रक्तमोक्षण की सुविधा दी जा रही है। इसका उद्देश्य आमजन को आयुर्वेद की पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों का लाभ पहुंचाना और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। रक्तदान शिविर कार्यक्रम में प्रो. उदयराज सरोज, प्रो. एच.एम.मीणा, प्रो. हरीश भाकुनी, प्रो. महेंद्र प्रसाद, डॉ. वैभव बापट, श्रीजी प्रसादम फाउंडेशन के रामावतार दुसाद और अशोक कुमार घिया मौजूद रहे।

मातोश्री वृद्धाश्रम में गरबा की धूम

सार्थक प्रयास फाउंडेशन ने वरिष्ठजनों के जीवन में भरे खुशियों के रंग

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सार्थक प्रयास फाउंडेशन के सौजन्य से जयपुर स्थित मातोश्री वृद्धाश्रम में वयोवृद्धजनों के लिए गरबा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और गरबा नृत्य के माध्यम से आनंद, उमंग और सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव किया।

कार्यक्रम के दौरान बेस्ट डांसर, बेस्ट ड्रेसअप एवं अन्य श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। सारिका जी, देवराज जी एवं सुनंदा जी को क्रमशः विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित कर सार्थक प्रयास फाउंडेशन की संचालिका ऊषा परिहार ने उनका मनोबल बढ़ाया। इस आयोजन की विशेषता यह रही कि गरबा कार्यक्रम की तैयारी के लिए 30 सितंबर से 9 अक्टूबर 2026 तक दस दिवसीय रिहर्सल कार्यशाला आयोजित की गई थी। इस कार्यशाला के माध्यम से वरिष्ठजनों को गरबा नृत्य का अभ्यास कराया गया तथा उन्हें सामूहिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। सार्थक प्रयास फाउंडेशन की यह पहल वरिष्ठजनों के जीवन में खुशियां, उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने की दिशा में एक सराहनीय कदम है। ऐसे आयोजन वरिष्ठजनों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने, आपसी मेलजोल बढ़ाने और जीवन के प्रत्येक पल को उमंग के साथ जीने का अवसर प्रदान करते हैं।

श्री संत बाबा मेहरदास मन्दिर ट्रस्ट में मनाया जन्मदिन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। श्री संत बाबा मेहरदास मन्दिर मे ममता, शशि हर्ष नारायण का जन्मदिन बड़े धूमधाम से मनाया, विशाल भंडारे मे खीर पूरी हलवा अनेक व्यंजनों का रसोस्वादान किया। नगेन्द्र वशिष्ठ ने बताया की ट्रस्ट की तरफ से इसी तरह जन्मदिन मनाते रहते है जिस का मुख उद्देश्य, समाज मे फ़ैल रही अनुचित केक काटना, ज्योति भुझाने जैसी पश्चात् संस्कृति की जगह हमारे हिंदुस्तानी संस्कृति से नई पीढ़ी को अवगत कराना है। ट्रस्ट के सचिव शशि एवं अध्यक्ष लोक चन्द हरिरामानी ने तिलक कर दुपट्टा उढ़ा कर, ट्रस्ट की प्रकाशित पुस्तक 'अनुकरणीय आदर्श प्रभु श्री राम सब को भेट की। कार्यक्रम मे श्री जगदम्बा नव युवक मंडल सेवा समिति के सदस्य एवं मन्दिर सेवा मण्डल के सदस्यों ने भाग लिया।

जयपुर में स्केटिंग का महाकुंभ संपन्न

34 जिलों के 700 खिलाड़ियों ने दिखाया दम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर के केशव नगर स्थित श्री हरि ओम विद्या पीठ सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित 70वीं एसजीएफआई राज्य स्तरीय रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता का बुधवार को उत्साहपूर्ण समापन हुआ। शिवा स्पोर्ट्स क्लब द्वारा आयोजित यह सात दिवसीय खेल महाकुंभ 1 अक्टूबर से 7 अक्टूबर तक चला, जिसमें राजस्थान के 34 जिलों से आए 700 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के दौरान स्केटर्स ने अपनी गति, तकनीक और अनुशासन का शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। समापन समारोह में आरटीओ इंस्पेक्टर दिनेश ने खिलाड़ियों को सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा दी। शारीरिक शिक्षा विभाग के वरिष्ठ उप जिला शिक्षा अधिकारी अखिलेश ने खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की और उन्हें भविष्य के लिए प्रोत्साहित किया। उप निदेशक संतोष ने भी आयोजन की सफलता पर खुशी जाहिर करते हुए खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर विद्याधर नगर थाना प्रभारी सज्जन सिंह और वार्ड 7 की पार्षद प्रत्याशी पूजा शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने युवाओं के सर्वांगीण विकास में खेलों की भूमिका को रेखांकित किया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन का श्रेय विद्यालय के प्राचार्य रामनिवास अजमेरा और ललिता सैनी को जाता है, जिन्होंने अपनी सतत निगरानी और कुशल प्रबंधन से सात दिनों तक चलने वाले इस आयोजन को सुचारु रूप से संपन्न कराया। शिवा स्पोर्ट्स क्लब के कोच नियाज ने प्रतियोगिता के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और खिलाड़ियों को एक बेहतर प्रतिस्पर्धी वातावरण प्रदान किया।

आचार्य सत्यनारायण पाटोदिया सम्मानित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जवाहर कला केंद्र में आयोजित सुर सुगंध समारोह में आचार्य सत्यनारायण पाटोदिया एवं डॉ माया रानी टाक को सम्मानित किया गया। पंडित रघुनाथ तलेगांवकर फाउंडेशन ट्रस्ट, आगरा एवं संगीत कला केंद्र, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में संगीत महोपाध्याय पंडित रघुनाथ तलेगांवकर के पुण्य स्मरण में आयोजित रघुनाथंजलि के अंतर्गत सुर सुगंध समारोह का आयोजन किया गया था।

रजत जयंती महोत्सव के पोस्टर का हुआ विमोचन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। श्री जगदंबा नवयुग मंडल सेवा समिति मुरलीपुरा स्कीम द्वारा रजत जयंती महोत्सव 25वां वार्षिक उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। जिसका पोस्ट विमोचन कार्यक्रम श्री संत बाबा मैहर दास मंदिर में सम्पन्न किया गया। मण्डल अध्यक्ष हेमंत टेलर ने बताया की मुरलीपुरा स्कीम मे कर्यक्रम गत 25 वर्षो से हो रहा है। इस वर्ष रजत जयंती के रूप मे विशाल कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, जिस की ध्वज यात्रा 16 अक्टूबर को जगदम्बा पार्क मुरलीपुरा पर सम्पन्न होंगी। पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में कमल कुमार शर्मा, बसंत व्याससन्दीप खंडेलवाल, मनोज जोशी, गौरव अग्रवाल, योगेश गौर, राजेश चौधरी एवं ,ट्रस्ट के अध्यक्ष लोकचान्द हरिरामानी सचिव शशि हरिरामानी मन्दिर सेवा मंडल सदस्य नगेन्द्र वशिष्ठ अन्य सदस्यों ने भाग लिया।

Jaipur Traffic Police : 331 चौराहों पर दिन हो या रात इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम से जुड़े एआई कैमरे

एआई संभालेगा यातायात, गलती पर ऑटोमैटिक कटेगा ई-चालान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजधानी जयपुर की सड़कों पर यातायात की निगेहबानी अब पूरी तरह से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के जरिए करने की तैयारी है. जयपुर ट्रैफिक पुलिस ने शहर के 331 चौराहों को इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) से जुड़े एआई कैमरे लगवाने के लिए चिह्नित किया है. अभी केवल टोंक रोड और जवाहरलाल नेहरू मार्ग पर ही आईटीएमएस कैमरे लगे हैं. जिनके जरिए सड़क पर चलने वाले वाहनों पर नजर रखी जा रही है और यातायात नियम तोड़ने वाले चालकों के ई-चालान किए जा रहे हैं. लेकिन अब ट्रैफिक पुलिस ने पूरे जयपुर में ऐसे 331 स्पॉट चिह्नित किए हैं. जहां यातायात नियम तोड़ने वालों पर एआई तकनीक से लैस आईटीएमएस कैमरों के जरिए 24 घंटे नजर रखी जाएगी. इससे दिन हो या रात बिना मानवीय दखल के यातायात नियमों की पालना सुनिश्चित हो सकेगी और नियमों की अनदेखी कर वाहन चलाने वालों के चालान किए जाएंगे.

अधिकतर चौराहों पर लगेंगे कैमरे

डीसीपी (ट्रैफिक) प्रवीण नायक नूनावत ने बताया कि अभी जयपुर में कुछ जगह आईटीएमएस कैमरे लगे हुए हैं. अब ट्रैफिक पुलिस ने स्टडी कर पूरे शहर में 331 लोकेशन को चिह्नित किया गया है. किस जगह पर किस तरह से यातायात नियमों के उल्लंघन के मामले ज्यादा आ रहे हैं. इनका भी विश्लेषण किया गया है. इसके मुताबिक ही स्पेसिफिक क्वालिटी के कैमरे लगाए जाएंगे. इसका मसौदा तैयार कर सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग (DoIT) को भिजवाया गया है. ताकि शहर के अधिकतर चौराहों पर आईटीएमएस कैमरों के जरिए यातायात पर नजर रखी जा सके.

मानवीय दखल खत्म होने से पारदर्शिता आएगी

उनका कहना है कि आईटीएमएस कैमरे ऑटोमैटिक मोड पर काम करते हैं. यह अपने आप देखता है कि कौनसा वाहन लाल बत्ती तोड़कर निकला है. कौनसा वाहन निर्धारित गति से तेज चल रहा है. स्टॉप लाइन के उल्लंघन और सीट बेल्ट व हेलमेट से जुड़े यातायात नियम तोड़ने वालों पर भी आईटीएमएस कैमरे नजर रखेंगे. नियमों का उल्लंघन करने वालों के ऑटोमैटिक चालान बनाए जाएंगे. जिससे चालान सिस्टम में मानवीय दखल कम होगा और जो लोग इस काम में लगे हैं. वो किसी दूसरे महत्वपूर्ण काम में लग पाएंगे. इससे चालान सिस्टम में पारदर्शिता भी आएगी।

मोबाइल पर मैसेज, फोटो-लोकेशन भी दिखेगी

उन्होंने बताया, आईटीएमएस कैमरे से चालान में संबंधित वाहन के मालिक के पास मोबाइल पर मैसेज जाता है. वह चालान देख सकता है. इसमें फोटो और लोकेशन के साथ यातायात के नियम तोड़ने की पूरी जानकारी दर्ज होती है. ताकि लोगों में भी यह मैसेज जाए कि उनका चालान निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से हो रहा है. आईटीएमएस कैमरे लगने के बाद चालान में मानवीय दखल कम होने से ट्रैफिक पुलिसकर्मियों और वाहन चालकों के बीच कई बार होने वाले विवाद पर भी लगाम लगेगी।

हर समय नियम पालन की सीख

उनका कहना है कि यातायात पर ऑटोमैटिक निगरानी का एक बड़ा फायदा यह होगा कि लोगों में हर समय अनुशासित तरीके से वाहन चलाने की आदत बन जाएगी. आमतौर पर देखा जाता है कि किसी चौराहे पर ट्रैफिक पुलिसकर्मी खड़ा है तो वाहन चालक यातायात नियमों की पालना करते हैं. लेकिन अगर ट्रैफिक पुलिसकर्मी नहीं दिखाई दे तो वाहन चालक नियमों की अनदेखी करने से हिचकते नहीं है. ऑटोमैटिक तरीके से निगरानी का यह भी असर होगा कि लोग हर समय यातायात नियमों की पालना करेंगे. जिससे हादसों पर भी लगाम लगने की उम्मीद है. यातायात पर 24 घंटे नजर रहने से लोग दिन हो या रात, नियमों की पालना करेंगे.

सीसीटीवी कैमरे और एआई तकनीक का उपयोग

- » इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) सीसीटीवी कैमरों के साथ एआई और सेंसर तकनीक का इस्तेमाल होता है.
- » इससे यातायात की निगरानी के साथ नियम तोड़ने वालों पर नजर रखी जाती है. जिससे हादसों पर भी लगाम लगती है.
- » इससे ट्रैफिक की रियल टाइम मॉनिटरिंग संभव है. कैमरे और सेंसर बताते हैं कि कहां जाम लगा है.
- » ट्रैफिक सिग्नल का टाइम फिक्स करने के बजाए रियल टाइम मॉनिटरिंग के अनुसार बत्ती लाल या हरी हो सकती है.
- » यातायात नियमों के उल्लंघन को एआई कैमरे पकड़ते हैं. रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर या ईमेल पर चालान पहुंचता है.
- » इस तकनीक से एम्बुलेंस या आपातकालीन वाहन के लिए रास्ता बनाने में भी सहूलियत रहती है।

जिनके चालान पेंडिंग, उन पर सख्ती की तैयारी

- » राजधानी में यातायात नियमों के उल्लंघन के आठ लाख से ज्यादा पेंडिंग हैं.
- » कई वाहनों पर एक से ज्यादा चालान पेंडिंग हैं. कई वाहन ऐसे भी जिनके बड़ी संख्या में चालान पेंडिंग.
- » ऐसे लोगों से अब ट्रैफिक पुलिस सख्ती से पेश आने की तैयारी में है.
- » रामबाग चौराहे पर एआई कैमरों से नजर रखकर पेंडिंग चालान की जानकारी स्क्रीन पर दिखाई जा रही है.
- » पेंडिंग चालान के बारे में ट्रांसपोर्ट विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ले सकते हैं जानकारी।

सनराइज सिटी निवारू रोड पर महाराज गोपाल नन्दन के मुखारबिन्द श्रीमद्भागवत् कृष्ण कथा का हुआ गुणगान

श्रीमद्भागवत कृष्ण कथा में बही भक्ति-ज्ञान की गंगा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सनराइज सिटी निवारू रोड, झोटवाड़ा, जयपुर के निवासियों द्वारा सनराइज सिटी में श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया गया। व्यास पीठ पर श्री गोपाल नन्दन जी महाराज के मुखारबिन्द से कथा का गुणगान किया गया। कथा के धर्मावलंबी संदीप पारीक ने बताया कि कथा के दौरान स्थानीय निवासियों के साथ-साथ दूर-दराज के श्रद्धालुओं ने भी कथा का श्रवण किया। इस मौके पर हाथोज धाम, हवामहल विधायक श्री बालमुकुंद आचार्य जी महाराज के अलावा श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर

आचार्य नर्मदा शंकर पुरी जी महाराज, निरंजनी अखाड़ा, जयपुर, गिरधारी कुमावत एवं सुनील जैन, महापौर सुनील कोठारी, अंतरराष्ट्रीय उद्घोषिका डॉ. ज्योति जोशी एवं अशोक केशोट (कल्पना ट्रैवल्स) ने भी कथा श्रवण किया। इस मौके पर हाथोज धाम महाराज ने कहा कि पितृ पक्ष में श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण आध्यात्मिक दृष्टि से विशेष महत्व रखता है। यह अपने पितरों के प्रति श्रद्धा एवं कृतज्ञता व्यक्त करने, उनके निमित्त पुण्य कर्म करने तथा परिवार में धर्म, संस्कार और सद्भाव की भावना को सुदृढ़ करने का पावन अवसर है। श्रीमद्भागवत की दिव्य वाणी हमें भक्ति, सदाचार एवं सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है और युवा पीढ़ी को अपनी सनातन संस्कृति एवं जीवन मूल्यों से जोड़ती है। पितरों के प्रति श्रद्धा, भगवान के प्रति भक्ति और सनातन संस्कृति के प्रति समर्पण ही हमारे जीवन की सच्ची आध्यात्मिक धरोहर है।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने एथेंस में भारत के राजदूत से की शिष्टाचार भेंट

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान के मुख्य सचिव एवं इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडमिनिस्ट्रेटिव साइंसेज (आईआईएएस) के अध्यक्ष वी. श्रीनिवास ने मंगलवार को ग्रीस की राजधानी एथेंस स्थित भारतीय दूतावास में ग्रीस में भारत के राजदूत श्री रवि शंकर से शिष्टाचार भेंट की। ग्रीस की आधिकारिक यात्रा के दूसरे दिन हुई इस बैठक में कार्मिक प्रशासन और गवर्नेंस के क्षेत्र में भारत-ग्रीस द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा हुई।

सौहार्दपूर्ण और रचनात्मक वातावरण में हुई बातचीत का मुख्य विषय इन क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाना रहा। मुख्य सचिव एथेंस में आयोजित इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ स्कूल्स एंड इंस्टीट्यूट्स ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन (आईएएसआईए) के वर्ष 2026 के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए ग्रीस की चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। इस दौरान वे लोक प्रशासन के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों से मुलाकात कर रहे हैं। साथ ही, गवर्नेंस और आईआईएएस के कार्यों से संबंधित विचार-विमर्श में भाग ले रहे हैं।

56 छात्र-छात्राओं ने किया विधानसभा का शैक्षणिक भ्रमण

ज्ञान को शक्ति, चरित्र को पहचान, कर्म को राष्ट्र की प्रगति का आधार बनाएं-देवनानी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल पर आयोजित विधान सभा जन-दर्शन कार्यक्रम के अंतर्गत मंगलवार को अजमेर के सतगुरु इंटरनेशनल स्कूल के छात्र-छात्राओं ने राजस्थान विधान सभा का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने विधानसभा सदन, भवन तथा राजनीतिक आख्यान संग्रहालय का अवलोकन कर प्रदेश की लोकतांत्रिक व्यवस्था, विधायी प्रक्रिया और संसदीय परंपराओं के बारे में जानकारी प्राप्त की।

देवनानी ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उनकी पढ़ाई, रुचियों और खेलकूद सहित विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में निरंतर सीखने, अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने और प्रत्येक अवसर का सदुपयोग करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपने ज्ञान का निरंतर विस्तार करते हुए ऐसा व्यक्तित्व विकसित करना चाहिए, जिसमें शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन और कर्तव्यबोध का समन्वय हो। यही गुण उन्हें जीवन में सफलता प्राप्त करने और समाज एवं राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने में सक्षम बनाते हैं।

देवनानी ने कहा कि विद्यार्थी जीवन भविष्य की नींव रखने का महत्वपूर्ण समय है। इस काल में अर्जित ज्ञान, विकसित दृष्टिकोण और आत्मसात किए गए मूल्य जीवन की दिशा निर्धारित करते हैं। विद्यार्थियों को बड़े लक्ष्य निर्धारित करने, कठिन परिश्रम करने तथा अपनी क्षमताओं को पहचानकर उन्हें निरंतर निखारने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को संदेश दिया कि अपने ज्ञान को अपनी शक्ति, अपने चरित्र को अपनी पहचान और अपने कर्म को राष्ट्र की प्रगति का आधार बनाएं।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने विद्यार्थियों को राष्ट्र प्रथम की भावना अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि लोकतंत्र की मजबूती जागरूक, जिम्मेदार और कर्तव्यनिष्ठ नागरिकों पर निर्भर करती है। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने विधानसभा सदन की कार्यप्रणाली, विधायी गतिविधियों तथा संसदीय परंपराओं को समझा। राजनीतिक आख्यान संग्रहालय के अवलोकन से उन्हें राजस्थान की राजनीतिक एवं लोकतांत्रिक यात्रा के विभिन्न पहलुओं को जानने का अवसर मिला है।

विद्यार्थियों ने विधानसभा भ्रमण को ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायी अनुभव बताते हुए देवनानी का आभार व्यक्त किया। इस शैक्षणिक भ्रमण ने उन्हें लोकतांत्रिक संस्थाओं की भूमिका को समझने तथा नागरिक के रूप में अपने दायित्वों के प्रति जागरूक होने का अवसर प्रदान किया। विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का विद्यालय के निदेशक राजा डी. थारवानी ने पुष्प गुच्छ भेंट कर अभिवादन किया और बच्चों को विधान सभा देखने का मौका देने के लिए आभार ज्ञापित किया। अजमेर के सतगुरु इंटरनेशनल स्कूल के इस दल में कक्षा नौवीं से बारहवीं तक के विभिन्न संकायों के 56 छात्र-छात्राएं शामिल थे। विद्यार्थियों के साथ विद्यालय के शिक्षकगण भी उपस्थित रहे।

किसानों को मांग के अनुरूप समय पर मिले यूरिया एवं डीएपी, वितरण व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं-कृषि आयुक्त

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश में रबी सीजन के दौरान किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप यूरिया एवं डीएपी सहित सभी उर्वरकों की समयबद्ध एवं सुगम उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मंगलवार को कृषि आयुक्त नरेश कुमार गोयल एवं राजफैड के प्रबंध निदेशक सौरभ स्वामी की संयुक्त अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेशभर में उर्वरकों की उपलब्धता, आवंटन, आपूर्ति एवं वितरण व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं उर्वरक आपूर्तिकर्ता कम्पनियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

कृषि आयुक्त श्री नरेश कुमार गोयल ने कहा कि किसानों को उनकी वास्तविक आवश्यकता के अनुरूप समय पर उर्वरक उपलब्ध कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि यूरिया एवं डीएपी का जिलेवार आवंटन संबंधित क्षेत्रों की वास्तविक खपत, फसलों की आवश्यकता एवं मांग के अनुरूप किया जाए, ताकि किसी भी जिले में उर्वरकों की अनावश्यक कमी अथवा असंतुलित वितरण की स्थिति उत्पन्न नहीं हो। उन्होंने कहा कि उर्वरक वितरण व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, प्रभावी एवं किसान हितैषी बनाया जाए। किसानों को उर्वरक प्राप्त करने के लिए अनावश्यक परेशानी का सामना नहीं करना पड़े तथा उन्हें निकटतम वितरण केन्द्रों पर आसानी से उर्वरक उपलब्ध हो सके।

उर्वरकों की टैगिंग पर सख्ती, किसानों को अनावश्यक खरीद के लिए बाध्य नहीं करें गोयल ने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसानों को यूरिया एवं डीएपी के साथ अन्य उत्पादों की अनिवार्य खरीद के लिए बाध्य नहीं किया जाए। उर्वरकों की बिक्री में किसी भी प्रकार की अवांछित टैगिंग नहीं होनी चाहिए।

किसानों को उनकी मांग एवं आवश्यकता के अनुसार बिना किसी अतिरिक्त शर्त के उर्वरक उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि उर्वरक वितरण केन्द्रों की नियमित निगरानी की जाए तथा किसानों को निर्धारित दरों पर सुगमता से उर्वरक उपलब्ध कराया जाए।

जीतो चित्तौड़गढ़ चैप्टर के अध्यक्ष बने सोहन पोखरना

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सुनीता शिशोदिया को लेडीज विंग और रवि विरानी को यूथ विंग की जिम्मेदारी

चित्तौड़गढ़। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) चित्तौड़गढ़ चैप्टर के कार्यकाल 2026-28 के लिए सोहन पोखरना को अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। वहीं सुनीता शिशोदिया को लेडीज विंग की अध्यक्ष तथा रवि विरानी को यूथ विंग का चेयरपर्सन नियुक्त किया गया है। नवनियुक्त पदाधिकारियों से संगठन की सामाजिक सेवा, शिक्षा, व्यापारिक नेटवर्किंग और समाजोत्थान से जुड़ी गतिविधियों को गति देने की अपेक्षा है। समाजजनों ने तीनों पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

आरआईसी में हुआ 12वां जयपुर फोटोजर्नलिज्म सेमिनार

सकारात्मक नजरिया और सत्यनिष्ठा ही फोटोजर्नलिज्म की आदर्श कसौटी-खर्रा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा है कि मौजूदा दौर में सोशल मीडिया समेत एआई जैसी आधुनिक तकनीक के बढ़ते प्रभाव और उससे पैदा खतरों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। उन्होंने आशंका जताई कि समय रहते इसे काबू में नहीं किया गया तो समाज को तहस-नहस करने का कारण भी बन सकता है। मंत्री खर्रा बतौर मुख्य अतिथि गुरुवार को ईमैजिन फोटो जर्नलिस्ट सोसायटी की ओर से आरआईसी के ऑडिटोरियम में आयोजित एक दिवसीय 12वें जयपुर फोटोजर्नलिज्म सेमिनार में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि एक अच्छी फोटो की आदर्श कसौटी फोटोजर्नलिज्म की सकारात्मक नजरिया और सत्यनिष्ठा पर टिकी है, जो समाज में सकारात्मक प्रभाव डालती है। फोटोजर्नलिज्म में सकारात्मक नजरिए का प्रभाव काफी बढ़ जाता है। उन्होंने आग्रह किया कि जेनजी फोटोजर्नलिस्ट को नकारात्मक नजरिए से दूर रहें। इस मौके पर काफी संख्या में कैमरा कमांडों महिला पत्रकार मौजूद रहीं।

आत्मरक्षा को प्राथमिकता देनी चाहिए

सेमिनार के अहम सत्र में पत्रकार रोहित परिहार ने मीडिया में ग्राउंड रिपोर्टिंग से जुड़े कई रोमांचक व रोचक किस्से साझा किए। पत्रकार डॉ. रमा माया सोलंकी ने किए। रोहित परिहार ने कहा कि किसी भी पत्रकार और फोटोजर्नलिस्ट को आत्मरक्षा को प्राथमिकता देनी चाहिए। कोई भी ऑर्गेनाइजेशन इसकी भरपाई नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि उन्नत एआई किसी भी ह्यूमन माइंड को रिप्लेस नहीं कर सकता है। उन्होंने कहा कि हमारी पुलिस को फोटोजर्नलिस्ट के कैमरे से ही नाराजगी रहती है। हमले के दौरान महंगे कैमरे को बचाना भी एक चुनौती रहती है।

रीको की पहलः औद्योगिक क्षेत्रों के बेहतर प्रबंधन के लिए होगा ड्रोन सर्वे

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। रीको द्वारा औद्योगिक क्षेत्रों के बेहतर प्रबंधन तथा उद्यमियों की सुविधा के लिये चयनित रीको औद्योगिक क्षेत्रों में ड्रोन आधारित भू-स्थानिक सर्वेक्षण होगा। इसके तहत प्रारंभिक चरण में लगभग 50 वर्ग किमी क्षेत्र का ड्रोन आधारित सर्वेक्षण कर आधुनिक डिजिटल तकनीक के माध्यम से औद्योगिक भूखण्डों, भवनों, सड़कों, भूमि उपयोग एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं से संबंधित विस्तृत जानकारी एकत्रित की जाएगी। इसका उद्देश्य औद्योगिक क्षेत्रों को डिजिटल स्वरूप में उपलब्ध कराना है, जिससे भूखण्डों की स्थिति का आंकलन तथा भूमि उपयोग से संबंधित गतिविधियों का विश्लेषण किया जा सके। सर्वेक्षण आंकड़ों के आधार पर टू-डी डिजिटल मानचित्र एवं थ्री-डी मॉडल विकसित किए जाएंगे। साथ ही, जियो-टैग किए गए आंकड़ों को जीआईएस प्रणाली के अनुकूल तैयार किया जाएगा, जिससे औद्योगिक क्षेत्रों की योजना एवं विकास में सहायता मिलेगी। प्रत्येक भूखण्ड के लिए अलग डिजिटल एविडेंस शीट तैयार की जायेगी। इनमें भूखण्ड की पहचान संख्या, सीमा, निर्माण की स्थिति, भूमि उपयोग का विवरण तथा रीको के लागू नियमों के अनुसार विवरण उपलब्ध कराया जाएगा। ड्रोन सर्वेक्षण के माध्यम से औद्योगिक क्षेत्रों में उपलब्ध आधारभूत सुविधाओं एवं प्राकृतिक संसाधनों से संबंधित जानकारी भी संकलित की जाएगी। इसमें विद्युत अवसंरचना, सड़कें, पेड़-पौधे तथा अन्य स्थल विशेषताओं की पहचान और उनकी संख्या, लंबाई एवं अन्य प्रासंगिक विवरणों का आंकलन शामिल होगा।

पंचायती राज चुनाव के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशन में हुआ ईवीएम का प्रथम रेंडमाइजेशन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पंचायती राज आम चुनाव 2026 के अंतर्गत जयपुर जिले की समस्त 22 पंचायत समितियों के समस्त चरणों के लिए मंगलवार को ईवीएम मशीनों का प्रथम रेंडमाइजेशन जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) संदेश नायक के निर्देशन में अतिरिक्त जिला कलक्टर चतुर्थ आशीष कुमार, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुआ। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार पंचायतीराज चुनाव पूर्ण स्वतंत्रता, निष्पक्षता के साथ संपन्न कराने के लिए जिले में सभी 22 पंचायत समितियों के अंतर्गत आने वाली 597 ग्राम पंचायतों के 2094 बूथों के 5115 बैलेट यूनिट तथा 5115 ही कंट्रोल यूनिट के लिए रैण्डमाइजेशन किया गया है। द्वितीय चरण का रैण्डमाइजेशन 16 अक्टूबर 2026 को होगा जिसमें यह तय किया जाएगा कि कौनसे बूथ पर कौनसी ईवीएम मशीन चुनाव कार्य हेतु उपयोग में ली जाएगी।

बागवानी को नई दिशा: कृषि विवि जोधपुर में बनी पश्चिमी राजस्थान की पहली अत्याधुनिक 'प्लांट टिश्यू कल्चर लैब'

प्रदेश में अब अनार, अंजीर और कैक्टस के तैयार होंगे रोगमुक्त क्लोनल पौधे

टिश्यू कल्चर लैब से बदलेगी पश्चिमी राजस्थान में बागवानी की तस्वीर, दुर्लभ पौधे भी बचेंगे

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। थार के शुष्क अंचल में तेजी से बढ़ रहे बागवानी क्षेत्र के बीच उन्नत पौध सामग्री की कमी से जूझ रहे किसानों के लिए कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर राहत की बड़ी खबर लेकर आया है। दरअसल गुणवत्ता युक्त पौध सामग्री की समस्या से निजात पाने के लिए कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर ने पहल करते हुए कुलगुरु प्रो वीरेंद्र सिंह जैतावत के मार्गदर्शन में पश्चिमी राजस्थान की पहली अत्याधुनिक "प्लांट टिश्यू कल्चर लैब" (पादप उत्तक संवर्धन प्रयोगशाला) को स्थापित किया है। जल ग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग के वित्तिय सहयोग से बनी इस लैब में कम समय में अनार, कैक्टस, अंजीर व औषधीय फसलों की रोगमुक्त क्लोनल पौध तैयार होगी, जिससे स्थानीय किसानों को गुणवत्तापूर्ण पौध सामग्री के लिए भटकना नहीं पड़ेगा।

किसानों को मिलेगा सीधा लाभ

कुलगुरु प्रो जैतावत ने बताया कि इस आधुनिक कृषि में जैव प्रौद्योगिकी और टिश्यू कल्चर तकनीक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस प्रयोगशाला के माध्यम से कम समय में रोगमुक्त, उच्च गुणवत्ता वाले और उन्नत किस्मों के क्लोनल पौधे तैयार किए जा सकेंगे। उन्होंने जोर दिया कि पश्चिमी राजस्थान की शुष्क जलवायु के अनुकूल बागवानी फसलों सहित औषधीय पौधों की गुणवत्ता सुधारने में यह लैब मील का पत्थर साबित होगी। इसका सीधा लाभ क्षेत्र के किसानों को उन्नत पौध सामग्री के रूप में मिलेगा।

दुर्लभ पौधे भी बचाए जा सकेंगे

लैब के प्रभारी एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ प्रदीप पगारिया ने बताया कि लैब का मुख्य उद्देश्य उच्च गुणवत्ता युक्त पौध सामग्री तैयार करना है। उन्होंने बताया कि उत्तक संवर्धन एक आधुनिक तकनीक है जिसमें किसी पौधे के छोटे से हिस्से (जड़, तना, पत्ती) या कोशिकाओं के जरिए पौधा विकसित किया जाता है। इस प्रयोगशाला में नियंत्रित तापमान और जीवाणुरहित वातावरण में कृत्रिम माध्यम में नए पौधे तैयार किए जाएंगे। लैब में साल के किसी भी समय पौधे तैयार किया जा सकते हैं। मौसम का इंतजार नहीं करना पड़ता एवं दुर्लभ पौधों को बचाने में भी यह तकनीक सहायक है।

लैब में होंगे ये प्रमुख कार्य

यहां मुख्य रूप से वायरस और कीट-मुक्त उच्च गुणवत्ता वाली पौध का बड़े पैमाने पर तीव्र उत्पादन (माइक्रोप्रोपैगेशन), बागवानी फसलों की गुणवत्ता युक्त पौध सामग्री, विलुप्तप्राय व औषधीय प्रजातियों का संरक्षण और आनुवंशिक रूप से शुद्ध क्लोन विकसित करने का कार्य होगा। इसके अलावा, पश्चिमी राजस्थान की जलवायु के अनुकूल सूखा एवं लवणता रोधी नई किस्मों के विकास पर शोध और क्षेत्रीय किसानों को बेहतर गुणवत्ता की पौध उपलब्ध कराने की दिशा में भी यहां निरंतर काम किया जाएगा।

अग्रसेन जयंती महोत्सव का भव्य समापन, 50 साल से दांपत्य जीवन निभा रहे जोड़ों का हुआ सम्मान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिला अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन की ओर से आयोजित आठ दिवसीय अग्रसेन जयंती महोत्सव का समापन बिष्टुपुर स्थित माइकल जॉन ऑडिटोरियम में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुआ। शाम पांच बजे से आयोजित समारोह में समाज के बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों, लंबे वैवाहिक जीवन का उदाहरण पेश करने वाले दंपतियों के सम्मान और विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके बाद अतिथियों का स्वागत और अध्यक्षीय संबोधन हुआ। समारोह में समाज के गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। मंच संचालन के साथ भजन गायन महावीर अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत बच्चों की आकर्षक गणेश वंदना से हुई, जिसने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। समारोह का प्रमुख आकर्षण 50 वर्ष से अधिक समय से वैवाहिक जीवन निभा रहे दंपतियों का सम्मान रहा। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।

कार्यक्रम को सफल बनाने में कन्वीनर चांदनी पाड़िया, प्रियंका पोद्दार, वर्षा भारती, पूजा अग्रवाल, गुड़िया अग्रवाल, दीपा अग्रवाल, श्वेता अग्रवाल, नीलम देबूका, अनीता अग्रवाल, प्रियंका बंका, कविता अग्रवाल, सुनंदा कांवटिया, राधिका अग्रवाल, निधि मोदी, नेहा अग्रवाल, प्रियंका चौधरी, निशा सिंघल और ममता अग्रवाल सहित अन्य सदस्यों का योगदान रहा। आयोजन में अध्यक्ष सुशील अग्रवाल, युवा अध्यक्ष जगदीश खेमका, सचिव मनोज पलसानिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहित शाह, उपाध्यक्ष मनीष खन्ना, कोषाध्यक्ष आशीष अग्रवाल, युवा कोषाध्यक्ष देवेश अग्रवाल, युवा सचिव अनंत अग्रवाल तथा अंकित अग्रवाल, निखिल शर्मा, गौरव जौनपुरिया और भजन गायक महावीर अग्रवाल सहित अन्य सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नवरात्र दशहरा व दीपोत्सव को लेकर बैठक आयोजन

शहर का सौंदर्य बढ़े, पर्यटकों को मिले सुविधा-आचार्य

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

माउंट आबू। आगामी दिनों में आने वाले नवरात्र दशहरा व दीपावली पर्व को देखते हुए एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन नगर पालिका अध्यक्ष सुनील आचार्य की अध्यक्षता में महात्मा गांधी पुस्तकालय में किया गया। इस बैठक में शहर के सौंदर्य करण को लेकर के विस्तृत रूप से चर्चा की गयी। इस बार दीपावली पर्व पर आने वाले भारी मात्रा में पर्यटकों को किसी प्रकार की या असुविधा नहीं हो पार्किंग को लेकर के उन्हें किसी बहुत बड़ी परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े। इसके लिए पोलो ग्राउंड के दोनों और पार्किंग होगी साथ ही वन वे का भी एक रूट बनाया जाएगा जिससे अनावश्यक रूप से सैलानियों को भी भटकना नहीं पड़े । इसके अलावा दीपावली पर वह पर पूरे शहर को पेट्रोल पंप से लेकर के नक्की झील तक आकर्षक लाइटों से सजाया जाएगा जिसमें स्थानीय लोगों से भी व मार्केट यूनियन से भी बातचीत कर भव्यता से लाइटिंग की जाएगी।

आगे नक्की झील के सौंदर्य करण को लेकर के बी के हरीश को पुनः नक्की झील के चारों ओर पेड़ पौधे लगाने व उसकी सौन्दर्यकरण मेंटेनेंस के लिए ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया है। इसके अलावा उदयपुर फतहसागर की तर्ज पर अब नक्की झील के चारों ओर स्ट्रीट लाइट भी लगाई जाएगी जो एक तरफ तो मार्ग पर भी होगी दूसरी तरफ पानी में उसका रिफ्लेक्शन अलग ही दिखाई देगा। नक्की झील पर ही भंगार पड़े दातड़ा सी वर्ल्ड को अब पूरी तरह तोड़कर उसकी जगह पर कुछ योग्य उपयुक्त कार्य के लिए चुना जाएगा जिसकी योजना आगामी दिनों में बनाई जाएगी। विवेकानंद मार्ग के लिए अब एसडीएम ऑफिस से विवेकानंद पार्क तक आने वाले मार्ग का नाम विवेकानंद पार्क रखा जाएगा। नक्की झील के चारों ओर बने हुए बाग बगीचों की साफ सफाई करते हुए उनमें लगे हुए फव्वारे जेट फव्वारे व अन्य गार्डन की रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। पालिका अध्यक्ष सुनील आचार्य के अनुसार शहर में साफ सफाई के लिए आवश्यक संसाधनों की अगर जरूरत पड़ेगी तो उसे कॉन्ट्रैक्ट पर भी हम उसे किसी ठेकेदार को दे सकते है।

शक्तिपीठों में उमड़ा आस्था का सैलाब, जयकारों से गूंजे मंदिर

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। शारदीय नवरात्रि पर रविवार को जिले के प्रमुख देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। दुर्ग स्थित कालिका माता मंदिर सहित झांतला माता, जोगणिया माता, आवरी माता, बायण माता और सगरा माता मंदिर में सुबह से ही दर्शन के लिए भक्तों की कतारें लगी रहीं। श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर परिवार एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा, बैरिकेडिंग एवं पेयजल की व्यवस्थाएं कीं।

हिंदुस्तान जिंक की पहल से 20 लाख से अधिक बालिकाओं और महिलाओं को मिला संबल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़ @ इलियास मोहम्मद। हिंदुस्तान जिंक की सामाजिक पहलों से अब तक 20 लाख से अधिक बालिकाओं और महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। कंपनी शिक्षा, खेल और कौशल विकास के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य कर रही है।

कंपनी की शिक्षा संबल पहल के तहत सरकारी विद्यालयों के 47 हजार से अधिक विद्यार्थियों को लाभ मिल रहा है, जिनमें लगभग 50 प्रतिशत बालिकाएं हैं। वहीं, ऊंची उड़ान कार्यक्रम विद्यार्थियों को इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी में सहयोग दे रहा है। इसके तहत सानिया उरांव ने आईआईटी गुवाहाटी में प्रवेश प्राप्त किया है, जबकि जिंक फुटबॉल अकादमी से जुड़ी सोनम घोष ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व किया है।

इसके अलावा, सखी पहल ग्रामीण महिलाओं को बाल विवाह, लैंगिक समानता और महिला अधिकारों के प्रति जागरूक कर रही है। जिंक कौशल पहल के तहत अब तक 12 हजार से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया है, जिनमें 46 प्रतिशत महिलाएं हैं। कंपनी की सामाजिक पहलों का विस्तार 4,100 से अधिक गांवों में रहने वाले 26 लाख से ज्यादा लोगों तक पहुंच चुका है।

147 करोड़ की लागत से बनेगा अत्याधुनिक गैस आधारित 132 केवी जीएसएस

अजमेर शहर जल्द बनेगा विद्युत क्षेत्र में आत्मनिर्भर

अजमेर/जयपुर @ जागरूक जनता। अजमेर शहर को विद्युत क्षेत्र में पूरी तरह आत्मनिर्भर और सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए शहर में गैस आधारित 132 केवी सब-स्टेशन (जीएसएस) के निर्माण की प्रक्रिया को किया जा रहा है। राज्य सरकार के बजट में की गई घोषणा के रि यान्वयन को लेकर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अजमेर शहर के विभिन्न संभावित क्षेत्रों का दौरा किया और इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए भूमि के विभिन्न विकल्पों का बारीकी से निरीक्षण किया। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने हाथीभाटा पावर हाउस, टीटी कॉलेज तथा जयपुर रोड स्थित विभिन्न जमीनों का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों से जमीनों की तकनीकी उपयुक्तता, भौगोलिक स्थिति और ग्रिड स्थापना की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। भूमि चयन की इस प्रक्रिया के तुरंत बाद परियोजना पर जमीनी स्तर पर कार्य आरंभ कर दिया जाएगा, जिसे लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। यह अत्याधुनिक गैस आधारित विद्युत सब-स्टेशन लगभग 147 करोड़ रुपये की भारी-भरकम लागत से तैयार किया जाएगा।

डॉ. तोमर किसान मेले में हुए शामिल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

टोंक। भाकृअनुप- केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर के निदेशक डॉ अरुण कुमार तोमर भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान पूसा कैंपस नई दिल्ली, कृषि विज्ञान केंद्र बूँदी एवं कृषि विश्वविद्यालय कोटा द्वारा आयोजित बूँदी जिले के केवीके मे किसान मेले मे विशिष्ट अतिथि के रूप भाग लिया। कार्यक्रम मे कोटा कृषि विश्वविद्यालय की कुलगुर डॉ विमला डुंकवाल, प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ महेंद्र सिंह, अनुसंधान निदेशक डॉ एमसी जैन, डॉ रामधन चौधरी रिलायंस फाउंडेशन, आत्मा, इफको एवं आईएआरआई नई दिल्ली की वैज्ञानिक टीम उपस्थित रहकर किसानों को प्राकृतिक खेती पर विस्तार से चर्चा करते हुई लाभान्वित किया। डॉ तोमर ने वर्तमान समय मे समकलित खेती एवं पशुपालन को वैज्ञानिक तरीके से करने का सुझाव सभी उपस्थित किसानों को दिया। भेड़ बकरी एवं खरगोशपालन के क्षेत्र में अविकानगर की उपलब्ध नस्लों, प्रशिक्षण एवं अन्य सभी तरह की जानकारी के लिए किसानों को आमंत्रित किया।

रेडीमेड एवं होजरी व्यापार संघ के चुनाव निर्विरोध, सुशील भड़कत्या बने अध्यक्ष

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। रेडीमेड एवं होजरी व्यापार संघ के चुनाव बीते दिनों निर्विरोध संपन्न हुए। चुनाव में सुशील भड़कत्या को अध्यक्ष, प्रहलाद पटवा को महासचिव, हरीश गुरनानी को उपाध्यक्ष, देवराज साहू को सचिव तथा वरुण कृपलानी को मीडिया प्रभारी निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। चुनाव प्रक्रिया व्यापार महासंघ अध्यक्ष एवं चुनाव प्रभारी सुनील जागेटिया तथा राजकुमार बज के नेतृत्व में संपन्न हुई। इस अवसर पर निवर्तमान अध्यक्ष विनोद मलकानी को विदाई दी गई तथा नवनिर्वाचित पार्षद संदीप सिंह अरोड़ा का स्वागत किया गया।

नवनिर्वाचित महासचिव प्रहलाद पटवा ने बताया कि आगामी दिनों में नई कार्यकारिणी के गठन और शपथ ग्रहण समारोह को लेकर बैठक आयोजित की जाएगी। इसमें कार्यक्रम की तिथि तय कर घोषित की जाएगी। इस दौरान व्यापार संघ के पदाधिकारी एवं व्यापारी मौजूद रहे।

न्युवोको ने 10 साल पूरे होने पर मनाया दस साल बेमिसाल का जश्न

चित्तौड़गढ @ जागरूक जनता। भारत की प्रमुख बिल्डिंग मटेरियल कंपनियों में शामिल न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड ने अपने 10 साल के सफर का जश्न मनाया। यह सफर कंपनी के विकास, नए प्रयोगों, साहसिक फैसलों और कर्मचारियों की मेहनत से जुड़ा है। न्युवोको इस खास मौके को दस साल बेमिसाल थीम के तहत मना रही है। यह थीम उन उपलब्धियों और अहम पड़ावों को दर्शाती है, जिन्होंने न्युवोको को एक भरोसेमंद बिल्डिंग मटेरियल कंपनी बनाने में योगदान दिया। इस सफर के हर कदम ने न्युवोको को एक सुरक्षित, स्मार्ट और टिकाऊ दुनिया बनाने के उसके सपने के और करीब पहुँचाया है। इस सफर की शुरूआत 2014 में हुई थी, जब इसकी पैरेंट कंपनी निरमा ग्रुप ने राजस्थान के निंबोल में अपने 2 एमएमटीपीए क्षमता वाले नए सीमेंट प्लांट उत्पादन शुरू किया। एक प्लांट से शुरू हुआ यह सफर आज सीमेंट, रेडी-मिक्स कंर ीट और आधुनिक निर्माण सामग्री के कारोबार तक पहुंच चुका है। इस सफर का सबसे बड़ा और अहम मोड़ अक्टूबर 2016

पंचायत चुनाव : अचपुरा में ग्रामीणों की रात को हुई बड़ी बैठक

भाजपा टिकट पर बवाल..! वार्ड-6 में विरोध के स्वर तेज

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सिरोही-पिंडवाड़ा। पंचायत समिति भावरी के वार्ड संख्या-6 में भाजपा के टिकट वितरण को लेकर विरोध के स्वर तेज होने लगे हैं। वार्ड से भाजपा की तरफ से टिकट की दावेदारी कर रहे कुछ लोगों और ग्रामीणों ने प्रत्याशी चयन को लेकर नाराजगी जाहिर की है। इसी मुद्दे पर अचपुरा क्षेत्र के ग्रामीणों की एक बड़ी बैठक रात को आयोजित हुई, जिसमें टिकट वितरण को लेकर चर्चा की गई। बैठक में मांग उठाई गई कि सामान्य वर्ग के लिए आरक्षित सीट पर सामान्य वर्ग से जुड़े व्यक्ति को ही प्रत्याशी बनाया जाए।

टिकट वितरण को लेकर दावेदारों ने उठाए सवाल

दावेदारों का आरोप है कि वार्ड संख्या-6 में सामान्य वर्ग के लिए आरक्षित सीट पर भाजपा की ओर से स्त्र वर्ग के विपेश गरासिया को प्रत्याशी बनाए जाने की चर्चा है। विपेश गरासिया पंचदेवल ग्राम पंचायत के सरपंच है। इस संभावित टिकट को लेकर दावेदारों और कुछ ग्रामीणों ने आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि पार्टी को स्थानीय दावेदारों और क्षेत्र के लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखकर निर्णय लेना चाहिए। हालांकि, प्रत्याशी चयन से जुड़े दावों की आधिकारिक पुष्टि संबंधित निर्वाचन एवं पार्टी दस्तावेजों से होना बाकी है।

मांग नहीं मानी तो निर्दलीय प्रत्याशी उतारने की चेतावनी

बैठक में शामिल ग्रामीणों ने कहा कि यदि भाजपा सामान्य वर्ग के लिए आरक्षित सीट पर उनकी मांग के अनुरूप प्रत्याशी नहीं उतारती है, तो क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी मैदान में उतारने पर विचार किया जाएगा। ग्रामीणों ने भाजपा के अधिकृत प्रत्याशी को चुनाव में चुनौती देने और अपने उम्मीदवार के समर्थन में एकजुट होने का भी ऐलान किया। दावेदारों ने आरोप लगाया कि टिकट वितरण में सामान्य वर्ग के हितों की अनदेखी की जा रही है। साथ ही, कुछ क्षेत्र के नेताओं पर अपने करीबी लोगों को प्राथमिकता देने का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रत्याशी चयन में स्थानीय जनभावनाओं को नजरअंदाज करना स्वीकार नहीं किया जाएगा। ये आरोप संबंधित दावेदारों और ग्रामीणों के हैं।

तीन ग्राम पंचायतों पर टिकी निगाहें

भावरी पंचायत समिति के वार्ड संख्या-6 में अचपुरा, उडवारिया और पंचदेवल ग्राम पंचायतें शामिल बताई जा रही हैं। ऐसे में इस वार्ड में टिकट को लेकर पैदा हुआ असंतोष भाजपा की चुनावी रणनीति के लिए चुनौती बन सकता है। यदि असंतुष्ट दावेदार निर्दलीय प्रत्याशी उतारने के फैसले पर आगे बढ़ते हैं, तो चुनावी मुकाबले के समीकरण बदल सकते हैं।

अब भाजपा के अगले कदम पर नजर

फिलहाल सभी की निगाहें भाजपा के अंतिम प्रत्याशी चयन और स्थानीय स्तर पर असंतुष्ट दावेदारों को मनाने की संभावित कोशिशों पर टिकी हैं। पार्टी अपने निर्णय में बदलाव करती है या ग्रामीण निर्दलीय प्रत्याशी उतारकर चुनावी चुनौती पेश करते हैं, यह आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा। वार्ड संख्या-6 में टिकट विवाद ने स्थानीय चुनावी माहौल को गरमा दिया है।

सिरोही में राजपुरोहित समाज की बड़ी बैठक

पिण्डवाड़ा प्रधान नितिन बंसल के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित, भाजपा को दी दो-टूक चेतावनी

सिरोही/पिंडवाड़ा @ जागरूक जनता। आगामी पंचायती राज चुनावों से पहले सिरोही जिले में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। बसंतगढ़ स्थित ब्रह्माजी मंदिर परिसर में आबू-पिंडवाड़ा राजपुरोहित समाज के अध्यक्ष हिम्मत राजपुरोहित की अध्यक्षता में समाज की सामूहिक बैठक आयोजित हुई। बैठक में आगामी पंचायती राज के चुनावो के तहत पंचायत समिति सदस्य एवं जिला परिषद सदस्य के चुनावों को लेकर व्यापक मंथन किया गया। इस दौरान भाजपा जिला कोषाध्यक्ष एवं पिंडवाड़ा प्रधान नितिन बंसल की कार्यशैली पर गंभीर नाराजगी जताते हुए उनके खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। बैठक में समाज के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि पिण्डवाड़ा प्रधान नितिन बंसल राजपुरोहित समाज के राजनीतिक प्रतिनिधित्व का विरोध कर रहे हैं और समाज के संभावित प्रत्याशियों को भाजपा से टिकट दिलाने में बंसल विरोध कर रहें है व बाधा उत्पन्न की जा रही है। समाज के लोगों ने इसे राजनीतिक उपेक्षा बताते हुए कड़ा एतराज जताया।

निर्दलीय प्रत्याशी उतारने की चेतावनी

बैठक में समाज ने दो-टूक चेतावनी दी कि सामान्य वर्ग की सीटों पर सामान्य वर्ग के समाजों को उचित प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया तो राजपुरोहित समाज पंचायत समिति सदस्य एवं जिला परिषद सदस्य के चुनावों में निर्दलीय प्रत्याशी मैदान में उतारेगा। समाज ने स्पष्ट किया कि राजनीतिक उपेक्षा स्वीकार नहीं की जाएगी और जरूरत पड़ने पर लोकतांत्रिक तरीके से चुनावी मैदान में जवाब दिया जाएगा।

भाजपा से बैर नहीं, नितिन बंसल तेरी खैर नहीं' के लगे नारे

बैठक के दौरान प्रधान नितिन बंसल के विरोध में जमकर नारेबाजी की गई। उपस्थित समाजजनों ने 'भाजपा से वैर नहीं, नितिन बंसल तेरी खेर नहीं' के नारे लगाते हुए अपनी नाराजगी जाहिर की। साथ ही प्रधान की कथित कार्यशैली की शिकायत भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष तक पहुंचाने का निर्णय लिया गया।

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म — दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

....

फोन .... पिन कोड ☐☐☐☐☐☐

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक ☐☐☐☐☐☐ (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता सकारात्मक हिन्दी अखबार

बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

भारत के फैसले पर जताई आपत्ति : गोगरा-हॉट स्प्रिंग, जहां 2020 में दोनों देशों की सेनाएं टकराईं

चीन ने लद्दाख की 28 जगहों को अपना बताया, भारत ने बदले थे नाम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बीजिंग/नई दिल्ली। चीन ने लद्दाख की 28 जगहों पर अपना बताया है। चीन ने मंगलवार को इन जगहों के नाम तय करने के भारत के फैसले पर आपत्ति भी जताई। चीन ने कहा- ये इलाके हमारे हैं और भारत के नाम बदलने या नया नाम रखने से जमीन पर मालिकाना हक नहीं बदलेगा। भारत ने 2 अक्टूबर को इन जगहों के नाम आधिकारिक तौर पर तय किए थे। इनमें गोगरा और हॉट स्प्रिंग जैसे इलाके भी शामिल हैं, जहां 2020 में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच तनाव हुआ था।

चीन बोला- लद्दाख को भारत का UT नहीं मानते

चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने मंगलवार को कहा कि चीन लद्दाख को भारत की ओर से बनाया गया केंद्र शासित प्रदेश नहीं मानता। चीन ने भारत के इस कदम को गैरकानूनी बताते हुए कहा कि सीमा के पश्चिमी हिस्से के ये इलाके उसके हैं। माओ के मुताबिक, भारत के इस फैसले से सीमा के पश्चिमी हिस्से में उन इलाकों पर चीन का दावा नहीं बदल सकता, जिन्हें वह अपना क्षेत्र मानता है। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने मंगलवार को भारत के लद्दाख के इलाकों का नाम तय करने या बदलने का विरोध किया। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने मंगलवार को भारत के लद्दाख के इलाकों का नाम तय करने या बदलने का विरोध किया।

गोगरा और हॉट स्प्रिंग पूर्वी लद्दाख के संवेदनशील इलाके

भारत ने जिन जगहों के नाम तय किए, इनमें गोगरा और हॉट स्प्रिंग भी शामिल हैं। ये पूर्वी लद्दाख के संवेदनशील इलाके हैं, जहां भारत और चीन के सैनिकों के बीच सीमा पर तनाव रहा है। इन जगहों पर भारतीय सैनिक गश्त भी करते हैं। मई 2020 में पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के बीच सीमा विवाद बढ़ गया था। 5 मई को पैंगोंग झील के पास दोनों देशों के सैनिकों के बीच हिंसक झड़प हुई थी। 2020 के जून में गलवान घाटी में भी दोनों सेनाओं के बीच हिंसक संघर्ष हुआ था। इसके बाद दोनों देशों ने सीमा पर तनाव कम करने और सैनिकों को पीछे हटाने के लिए बातचीत शुरू की। सैनिकों को पीछे हटाने की प्रक्रिया 2022 में शुरू हुई।

संपादक : **ज्ञानेन्द्र मिश्रा** मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। **संपादकीय कार्यालय** : 132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039 समाचार संपादक- **चेतेन्द्र कुमार मिश्रा**

अग्रसेन जयंती पर 500 विद्यार्थियों को मेधावी छात्र रत्न सम्मान

एक रुपया एक ईंट का सिद्धांत बेजोड़ : डॉ. मित्तल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोलकाता। आज आम अग्रवाल सहयोग संगठन भिवानी एवं भारत माता अभिनंदन संगठन (भारत) ने संयुक्त रूप से महाराजा अग्रसेन जयंती बड़े ही धूमधाम से मनाई। गोशाला मार्केट के पास स्थित राजधानी सेंट्रल हाल ने एक बहुत भी भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। महाराजा अग्रसेन जी के सिद्धांत एक रुपया एक ईंट पर बहुत ही सुंदर नाट्य मंचन किया गया। महाराज अग्रसेन जी का किरदार भारत माता अभिनंदन दिवस के जनक डॉ पुरुषोत्तम दास मित्तल राजधानी कॉपी वाले ने निभाया। विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने महाराजा अग्रसेन जी के 18 वंशजों के रूप में अग्रदूतों की भूमिका निभाई। महाराजा अग्रसेन जी द्वारा एक दीन दुखी ओर हताश ,निराश प्रवासी नागरिक को अग्रोहा नगरी में सम्मानपूर्वक बसाने की खुशी में आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल मुंढाल के विद्यार्थियों के डांस प्रस्तुति दी। जिस पर मंत्रमुग्ध होकर कार्यक्रम में मौजूद लगभग 1000 व्यक्तियों ने डांस के द्वारा पूरे माहौल को खुशनुमा बना दिया। पूरा माहौल बड़ा ही भावपूर्ण और रोमांचकारी रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्री गणेश , मां लक्ष्मी एवं महाराजा अग्रसेन जी के सम्मुख दीप प्रज्वलन कर एवं पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरियाणा सरकार में प्रशासनिक अधिकारी भिवानी के नायब तहसीलदार श्रीमान गौरव राजोरा जी एवं इंडियन नेशनल लोकदल के व्यापार मंडल प्रदेश अध्यक्ष हनुमान प्रसाद गुप्ता जी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर व्यापार मंडल के प्रधान भानु प्रकाश, रेडीमेड मार्केट एसोसिएशन के प्रधान रायचंद सिंगला,प्रेमचंद तायल, अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के गुड़गांव अध्यक्ष डॉ राकेश जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री अनुपम गुप्ता जी भिवानी के प्रसिद्ध समाजसेवी विष्णु केडिया, अरुण गोयल, अनिल वत्स, पवन कौशिक ,सरोज कौशिक, बाबूराम भजन अग्रवाल जी के सुपुत्र नंदकिशोर अग्रवाल, सीताराम सराफ, नरेंद्र बडेसरा, सूरजभान फोगाट मुंढाल, सुभाष फोगाट हिसार, मोनिका जैन, नरेश गोरा, इत्यादि अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने किया। समारोह का मंच संचालन सुप्रसिद्ध मंच संचालक डॉक्टर मनोज शर्मा ने किया।समारोह में विभिन्न स्कूलों के लगभग पांच सौ विद्यार्थियों को मेधावी छात्र रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। सभी को मेडल एवं सर्टिफिकेट से सम्मानित किया गया।समारोह की विशेषता ये रही कि सर्व समाज अर्थात सभी छत्तीस जातियों एवं सभी धर्मो के विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के अंदर सभी विद्यार्थियों अभिभावकों गणमान्य व्यक्तियों को प्रसाद के रूप में जलपान भी वितरित किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में भारत माता अभिनंदन संगठन की राष्ट्रीय महासचिव मंजू मित्तल राजधानी ,कॉस्मेटिक एसोसिशन भिवानी के प्रधान रायचंद्र सिंगला, ऑफिस इंचार्ज संजय कुमार की विशेष भूमिका रही। इसके साथ साथ नरेश शर्मा, अरुण गोयल,पवन अग्रवाल, प्रहलाद मालो, मोनू सुशील शर्मा, दीपक जैन चौक, संदीप कायला, शंभू बंगाली,बाबा सुनील, ऑफिस इंचार्ज संजय कुमार,संजय पायलट, तुषार मुटरेजा, जयसिंह, शगुन, कमलेश,सतबीर इत्यादि का उल्लेखनीय योगदान रहा।

राष्ट्रीय सुरक्षा के फैसले केवल एआई पर नहीं छोड़ सकते-मुर्मु

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि विज्ञान, राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक गतिविधियों के विभिन्न क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए आई) का इस्तेमाल बढ रहा है लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े फैसले पूरी तरह एआई के भरोसे नहीं छोड़े जा सकते। राष्ट्रपति ने मंगलवार को यहां राष्ट्रपति भवन में 66वें राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय पाठ्यक्रम के शिक्षकों और प्रतिभागियों से मुलाकात की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि विज्ञान, राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक गतिविधियों के विभिन्न क्षेत्रों में ए आई का इस्तेमाल बढ रहा है लेकिन निर्णय लेने का काम केवल इस प्रौद्योगिकी के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। उन्होंने बदलती सुरक्षा चुनौतियों के बीच प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल में संतुलित नजरिया अपनाने और तेजी से फैसले लेने की जरूरत पर जोर दिया। मुर्मु ने कहा कि सुरक्षा और प्रौद्योगिकी का क्षेत्र तेजी से बदल रहा है। साइबर सुरक्षा, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में युद्ध के नए तरीके सामने आ रहे हैं। ऐसे में बेहतर तैयारी, दूरदर्शिता और बदलते हालात के अनुसार खुद को ढालने की क्षमता जरूरी है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा अब केवल सैन्य ताकत तक सीमित नहीं है। नये विचारों और प्रौद्योगिकी को व्यावहारिक समाधान में बदलने के लिए वैज्ञानिक संस्थानों और सशस्त्र बलों के बीच करीबी सहयोग जरूरी है। उन्होंने कम लागत वाली ऐसी प्रौद्योगिकी के महत्व पर भी जोर दिया, जो उन्नत रक्षा प्रणालियों की मदद कर सकें और उपलब्ध संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल सुनिश्चित करें। इस संदर्भ में उन्होंने अनुसंधान, विकास और नवाचार योजना जैसी सरकारी पहलों का उल्लेख किया। राष्ट्रपति ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अर्थव्यवस्था का मजबूत होना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने बाहरी कारणों से पैदा हुई बाधाओं का सामना करने की क्षमता दिखायी है और इसके साथ ही भारत ने रणनीतिक फैसले लेने की अपनी स्वतंत्रता भी बनाये रखी है।

मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास ने एथेंस में ईजीपीए की अध्यक्ष के साथ यूरोपीय लोक प्रशासन पर की चर्चा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान के मुख्य सचिव एवं इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडमिनिस्ट्रेटिव साइंसेज (आईआईएएस) के अध्यक्ष श्री वी. श्रीनिवास ने मंगलवार को ग्रीस की राजधानी एथेंस में यूरोपियन ग्रुप फॉर पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन (ईजीपीए) की अध्यक्ष प्रो. डॉ. सबीने कूलमान के साथ बैठक की। बैठक में रोम में आयोजित ईजीपीए-2026 सम्मेलन के सफल आयोजन और सम्मेलन से जुड़े आगामी कार्यक्रमों पर विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान पोप लियो चौदहवें के संदेश 'मैग्निफिका ह्यूमैनिटास' से जुड़े आगामी कार्यक्रमों पर भी चर्चा हुई। साथ ही यूरोपीय लोक प्रशासन को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से 29 अक्टूबर, 2026 को प्रस्तावित ईजीपीए संचालन समिति की बैठक के एजेंडे पर विचार-विमर्श किया गया। यह बैठक एथेंस में आयोजित इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ स्कूल्स एंड इंस्टीट्यूट्स ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन (आईएएसआईए) के वर्ष 2026 के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान मुख्य सचिव के विभिन्न कार्यक्रमों का हिस्सा रही।

राजस्थान पेंशन समाज अध्यक्ष का किया स्वागत

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। भोपालसागर उप शाखा अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी द्वारा जिला अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण दशोरा राजस्थान पेंशन समाज के चौथी बार निर्विरोध निर्वाचन होने पर स्वागत किया। कार्यालय मंत्री मनोहर लाल सोनी ने बताया कि भोपाल सागर उप शाखा की पेंशन शाखा के अध्यक्ष मदनलाल विजयवर्गीय, किशनलाल छीपा, भगवती लाल सेन, कालूराम मेनारिया, अरविंद व्यास द्वारा राजस्थान पेंशनर समाज जिला अध्यक्ष दशोरा के चौथी बार निर्वाचित होने पर स्वागत हेतु आए एवं शॉल, ऊपरना व साफा बांध कर स्वागत किया। इस अवसर पर अशोक नामधर, यशवंत दशोरा, राजकुमार दशोरा, मनोहर लाल सोनी, सत्यनारायण भट्ट, शिव दाधिच, भैरू शंकर व्यास, प्रदीप दीक्षित, जफरुल्लाह, हरीश गौड, समस्या समाधान प्रकोष्ठ मंत्री उपस्थित है।

चोरी हुए वाहन की नीलामी को हाईकोर्ट ने माना अवैध, आबकारी विभाग पर ?2 लाख की कॉस्ट

8.03 लाख की नीलामी राशि 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित लौटाने के आदेश; वाहन मालिक पर लगाई गई ₹10 लाख की पेनल्टी भी निरस्त

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर पीठ ने एक महत्वपूर्ण फैसले में चोरी हुए वाहन को अवैध शराब के परिवहन के मामले में जब्त कर नीलाम करने तथा उसके पंजीकृत मालिक पर 10 लाख की पेनल्टी लगाने की कार्रवाई को अवैध ठहराया है। न्यायालय ने आबकारी विभाग को वाहन की नीलामी से प्राप्त 8.03 लाख की राशि 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित लौटाने और वाहन मालिक को हुए उत्पीड़न एवं नुकसान की भरपाई के लिए 2 लाख की कॉस्ट अदा करने के निर्देश दिए हैं। न्यायमूर्ति आनंद शर्मा की एकलपीठ ने राजेंद्र सिंह एस. भाटिया बनाम आबकारी आयुक्त, राजस्थान एवं अन्य मामले में 6 अक्टूबर 2026 को यह निर्णय सुनाया। प्रकरण में याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता हरि किशन सैनी ने पैरवी की। हाईकोर्ट ने आबकारी आयुक्त, राजस्थान, उदयपुर को निर्देश दिया कि नीलामी की राशि 8,03,000 पर अवैध जब्ती की तारीख से वास्तविक भुगतान तक 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दिया जाए। साथ ही, विभाग को याचिकाकर्ता को हुए नुकसान और उत्पीड़न की भरपाई के लिए 2 लाख की कॉस्ट भी अदा करनी होगी। न्यायालय ने आदेश की पालना के लिए 60 दिन का समय निर्धारित किया है। यह निर्णय उन मामलों में महत्वपूर्ण है, जिनमें वाहन चोरी होने के बाद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उसका इस्तेमाल अवैध गतिविधियों में किया जाता है। ऐसे मामलों में वाहन मालिक की भूमिका, उसकी सावधानी और कानून के निर्धारित प्रावधानों पर विचार किए बिना केवल वाहन के अपराध में इस्तेमाल होने के आधार पर जब्ती करना उचित नहीं है।

रिटर्निंग एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारियों का प्रशिक्षण आयोजित

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। पंचायती राज आम चुनाव के तहत जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्यों के लिए नियुक्त रिटर्निंग एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारियों का प्रशिक्षण आयोजित हुआ। डीएलएमटी डॉ कनक जैन ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव कार्यक्रम की जानकारी देते हुए नामांकन, समीक्षा, नाम वापसी, प्रतीक आबंटन सहित विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 एवं पंचायत राज चुनाव अधिनियम 1994 के विविध प्रावधानों पर भी चर्चा की गई। डीएलएमटी ने रिटर्निंग अधिकारियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के जवाब भी दिए। डीएलएमटी ओम प्रकाश पालीवाल एवं रजत सुनिया ने चुनाव में काम में ली जाने वाली एमपीएमवी ईवीएम की कमिशनिंग एवं पूरी कार्यप्रणाली का सैद्धांतिक विवरण प्रस्तुत करते हुए प्रायोगिक प्रदर्शन कर विभिन्न जिज्ञासाओं का समाधान किया।

माँ चंद्रघंटा सेवा, करुणा और वात्सल्य की देवी-प्रशांत अग्रवाल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। नारायण सेवा संस्थान के सेवातीर्थ स्थित वर्ल्ड ऑफ ह्यूमैनिटी में आयोजित श्रीमद् देवी भागवत कथा एवं 'अपनों से अपनी बात' कार्यक्रम के तीसरे दिन संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने माँ चंद्रघंटा की आराधना के साथ प्रेरक कथाओं का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने माँ चंद्रघंटा के स्वरूप को सेवा, करुणा और वात्सल्य की प्रेरणा बताते हुए राजा सुरथ एवं वैश्य समाधि की कथा और करणी माता की महिमा के माध्यम से श्रद्धालुओं को मानवीय संवेदनाओं का संदेश दिया।अग्रवाल ने कथा का रसास्वादन कराते हुए बताया कि राज्य खो चुके राजा सुरथ और अपने ही परिवार द्वारा त्याग दिए गए वैश्य समाधि के मन में अपनों के प्रति मोह बना हुआ था। महर्षि मेधा ने उन्हें महामाया की शक्ति का महत्व समझाया। उन्होंने बताया कि मनुष्य का मन कई बार उन लोगों के प्रति भी आसक्त रहता है, जिनसे उसे दुख मिलता है।

माँ की आराधना से राजा सुरथ को अपना राज्य पुनः प्राप्त करने और वैश्य समाधि को मोह से मुक्ति का वरदान मिला। मन की व्यथा को स्वीकार कर ईश्वर के चरणों में समर्पित करने से शांति का मार्ग प्रशस्त होता है।उन्होंने राजस्थान के देशनोक स्थित करणी माता मंदिर की मान्यता का भी वर्णन किया। अपने प्रिय भांजे लक्ष्मण की मृत्यु से व्यथित करणी माता ने यमराज से अपने कुल के लोगों की रक्षा का वचन लिया। इसी मान्यता के चलते मंदिर में चूहों को 'काबा' कहकर सम्मान दिया जाता है। इस प्रसंग के माध्यम से बताया गया कि प्रेम और वात्सल्य रिश्तों की सीमाओं से परे होते हैं।

जागरूक जनता
www.jagrukjanta.net
विश्वसनीय समाचार पत्र
जी हाँ,यदि आपको अपने प्रतिष्ठान का व्यापार का विज्ञापन देना है तो जागरूक जनता समाचार पत्र द्वारा पूरे राजस्थान के साथ-साथ 4 अन्य राज्यों में आपका विज्ञापन प्रसारित किया जायेगा।
जो दिखेगा वही बिकेगा
आज ही बुक करें विज्ञापन

आपके व्यापार की तरक्की जागरूक जनता के साथ
विज्ञापन क्लासीफाइड डिस्प्ले प्रॉपर्टी वैवाहिक
विज्ञापन बुक करें : 9928022718 9829329070

अग्रसेन जयंती महोत्सव का भव्य समापन, 50 साल से दांपत्य जीवन निभा रहे जोड़ें सम्मानित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिला अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन की ओर से आयोजित आठ दिवसीय अग्रसेन जयंती महोत्सव का समापन गुरुवार, 10 अक्टूबर को बिष्टुपुर स्थित माइकल जॉन ऑडिटोरियम में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुआ। शाम पांच बजे से आयोजित समारोह में समाज के बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों, लंबे वैवाहिक जीवन का उदाहरण पेश करने वाले दंपतियों के सम्मान और विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके बाद अतिथियों का स्वागत और अध्यक्षीय संबोधन हुआ। समारोह में समाज के गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। मंच संचालन के साथ भजन गायन महावीर अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत बच्चों की आकर्षक गणेश वंदना से हुई, जिसने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया।

50 वर्ष का दांपत्य जीवन पूरा करने वाले जोड़ों का सम्मान

समारोह का प्रमुख आकर्षण 50 वर्ष से अधिक समय से वैवाहिक जीवन निभा रहे दंपतियों का सम्मान रहा। इस दौरान उनके लंबे वैवाहिक सफर और पारिवारिक मूल्यों के प्रति समर्पण को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही महोत्सव के आठ दिनों के दौरान विभिन्न क्षेत्रीय शाखाओं में आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। जुगसलाई शाखा की ओर से बच्चों के लिए 'खाऊ गली' थीम पर फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें ख्याति अग्रवाल ने प्रथम, ऋषभ अग्रवाल ने द्वितीय और प्रसाद कृषक अग्रवाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। महिलाओं की 'फ्लोरल' थीम प्रतियोगिता में रूपा अग्रवाल प्रथम, नीलम धानुका द्वितीय और अंकिता अग्रवाल तृतीय रहीं। बच्चों की खेल प्रतियोगिता में इशिता, अद्या और अनुषा अग्रवाल क्रमशः पहले तीन स्थानों पर रहीं। मानगो शाखा में लड्डू गोपाल का झूला सजाने, क्ले से गणेश जी बनाने और अग्रवाल समाज के गोत्र पर आधारित फैंसी ड्रेस प्रतियोगिताएं हुईं। गोलमुरी शाखा में पांच अक्टूबर को हनुमान चालीसा पाठ, रामायण प्रश्नोत्तरी और शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

शोभायात्रा, सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं ने बांधा समां

महोत्सव के दौरान सात अक्टूबर को साकची शिव मंदिर से अग्रसेन भवन तक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इसमें महिलाओं, पुरुषों और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अग्रसेन भवन में हनुमान चालीसा पाठ और प्रसाद वितरण भी किया गया। अन्य आयोजनों में 50 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं के लिए आंखों पर पट्टी बांधकर मसालों की पहचान करने की प्रतियोगिता और 'सुरों की तकरार' नाम से अंताक्षरी कार्यर् म शामिल रहे। राजस्थानी वेशभूषा पर आधारित फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में बाल वर्ग से ख्याति अग्रवाल प्रथम, काव्या एवं कृषि अग्रवाल द्वितीय और खुशी सर्राफ तृतीय रहीं। किशोर वर्ग में प्रथम अग्रवाल ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि खुशी एवं जानवी अग्रवाल दूसरे और शताक्षी खन्ना तीसरे स्थान पर रहीं। महिला वर्ग में निक्की कांवटिया प्रथम, राशि शर्मा द्वितीय और नीलम देबूका तृतीय रहीं। आठ दिवसीय महोत्सव के दौरान बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के लिए खानपान की विशेष व्यवस्था की गई थी। प्रतिदिन गोलगप्पे, चाट, मंचूरियन, चाउमीन, फ्राइड राइस, पास्ता, इडली-डोसा, चाय, कॉफी, शरबत और पेयजल उपलब्ध कराया गया।

गौसेवा के साथ होगा आयोजन का पूर्ण समापन

समारोह के अंत में सचिव मनोज पलसानिया ने धन्यवाद ज्ञापन किया। उन्होंने बताया कि महाराजा अग्रसेन जयंती के अवसर पर पूरी कमेटी की ओर से जुगसलाई गौशाला में गौसेवा की जाएगी। इसके साथ ही महोत्सव का समापन होगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में कन्वीनर चांदनी पाड़िया, प्रियंका पोद्दार, वर्षा भारती, पूजा अग्रवाल, गुड़िया अग्रवाल, दीपा अग्रवाल, श्वेता अग्रवाल, नीलम देबूका, अनीता अग्रवाल, प्रियंका बंका, कविता अग्रवाल, सुनंदा कांवटिया, राधिका अग्रवाल, निधि मोदी, नेहा अग्रवाल, प्रियंका चौधरी, निशा सिंघल और ममता अग्रवाल सहित अन्य सदस्यों का योगदान रहा। आयोजन में अध्यक्ष सुशील अग्रवाल, युवा अध्यक्ष जगदीश खेमका, सचिव मनोज पलसानिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहित शाह, उपाध्यक्ष मनीष खन्ना, कोषाध्यक्ष आशीष अग्रवाल, युवा कोषाध्यक्ष देवेश अग्रवाल, युवा सचिव अनंत अग्रवाल तथा अंकित अग्रवाल, निखिल शर्मा, गौरव जौनपुरिया और भजन गायक महावीर अग्रवाल सहित अन्य सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।